दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

dainiksandhyaprakash.in

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

वर्ष 52/ अंक 217/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 भोपाल, बुधवार 22 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

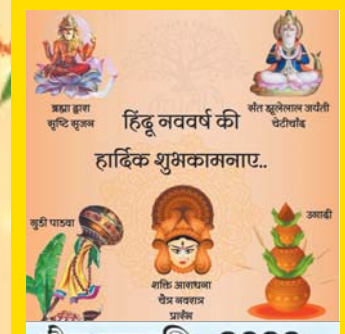

चैत्र नवरात्रि-2023

दिनांक	वार	तिथि	पूजन
22.03.23	बुध	प्रतिपदा	शैलपुत्री
23.03.23	गुरु	द्वितीय	ब्रह्मचारिणी
24.03.23	शुक्र	तृतीया	चन्द्रघण्टा
25.03.23	शनि	चतुर्थी	कूष्माण्डा
26.03.23	रवि	पंचमी	स्कंदमाता
27.03.23	सोम	षष्ठी	कात्यायनी
28.03.23	मंगल	सप्तमी	कालरात्रि
29.03.23	बुध	अष्टमी	महागौरी
30.03.23	गुरु	नवमी	सिद्धिदात्री

सांध्यप्रकाश विशेष

विकलांगों की समस्याएं सुनने के लिए कलेक्टर जमीन पर बैठ गए !

धार। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा अपने वाहन से जा रहे थे। उसी दौरान उन्होंने 'विकलांग बल' के सदस्यों को कलेक्ट्रेट परिसर में बैठे देखा तो वाहन रोककर उतर गए और विकलांग की समस्या को सुनने के लिए जमीन पर बैठ गए। कलेक्टर ने उसकी समस्या को सुना और उन्हें जल्दी हल करने का आश्वासन दिया।

आज 'विकलांग बल मध्य प्रदेश' ने अपनी मांगों को लेकर पदयात्रा निकाली। यह पदयात्रा तकरीबन 1 किलोमीटर तक विकलांगों ने निकाली। यह यात्रा अपनी 16 सूत्री मांगों को लेकर निकाली गई। पदयात्रा जैसे ही कलेक्ट्रेट पहुंची, उस दौरान जनसुनवाई समाप्त हो चुकी थी। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा कलेक्ट्रेट से अपनी कार से जा रहे थे। जैसे ही उन्होंने कार्यालय के बाहर विकलांग बल के लोगो को देखा तो तुरंत कार से नीचे उतरकर उनके पास जमीन पर बैठ गए।

उन्होंने कहा कि 'हां बताइए मैं आपकी क्या समस्या हल कर सकता हूं!' इस पर वहां बैठे विकलांगों ने कलेक्टर को अपनी समस्या बताई। 16 सूत्री मांग रखी। कलेक्टर ने एक-एक मांग पढ़ी। जो मांगे जिला स्तर पर पूरी हो सकती है, उनके बारे में उन्होंने कहा कि इसके लिए मैं कुछ कर सकता हूं। जो प्रदेश स्तर का मैटर है, उस पर उन्होंने कहा कि मैं यह आपका ज्ञापन मुख्यमंत्री तक पहुंचा दूंगा।

विकलांगों की मुख्य मांग थी कि उनकी पेंशन को बढ़ाकर 5000 प्रति माह किया जाए। सभी विभागों में दिव्यांगों के रिक्त पदों को बैकलॉग भर्ती के माध्यम से भरा जाए। दिव्यांगों को 50 हजार तक का लोन अनिवार्य रूप से दिया जाए। एकल खिड़की की व्यवस्था की जाए और विवाह प्रोत्साहन राशि दी जाए। इस तरह से कई माह 16 मांगों को लेकर दिव्यांग बल के द्वारा धार कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। 'विकलांग बल' के सदस्यों ने कहा कि हमारे जिले के कलेक्टर संवेदनशील हैं। आज उन्होंने हमारे साथ जमीन पर बैठकर हमारी समस्या को सुना जो उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है और इससे हमें बल मिला है हमारा मनोबल बढ़ा है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुड़ी पड़वा पर पत्नी साधना सिंह के साथ मुख्यमंत्री निवास पर गुड़ी स्थापित की।

6जी का दृष्टि पत्र लॉन्च

प्रधानमंत्री ने आईटीयू के एरिया ऑफिस और इनोवेशन सेंटर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि टेलीकॉम तकनीक सिर्फ ताकत दिखाने का तरीका नहीं है बल्कि यह लोगों को सशक्त बनाने का मिशन है। भारत में 125 शहरों में 5जी कनेक्शन शुरू हो गए हैं। भारत में 100 5जी लैब देशभर में बनाए जाएंगे।

प्रधानमंत्री आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत में अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के नए क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने भारत 6-जी विजन डॉक्यूमेंट (दृष्टिपत्र) का अनावरण और 6-जी अनुसंधान और विकास केंद्र का शुभारंभ भी किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत जी20 बैठक की अध्यक्षता कर रहा है और क्षेत्रीय दूरियों को कम करना हमारी प्राथमिकता है। तकनीकी दूरियों को कम करने में वैश्विक दक्षिण की अहम भूमिका है। आईटीयू का एरिया ऑफिस और इनोवेशन सेंटर इसमें काफी अहम साबित होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में हर महीने 800 करोड़ रुपए के यूपीआई आधारित भुगतान होते हैं।

नए पुलिस कमिश्नर ने पदभार संभाला

महिला संबंधी अपराध रोकना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता: हरिनारायणाचारी

भोपाल। राजधानी भोपाल के नए पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने बुधवार को साढ़े दस बजे पुलिस कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि महिला संबंधी अपराध रोकना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहेगा। इसके लिए डायल 100 पर आने वाले फोन काल के माध्यम से उन

इलाकों की पहचान की जाएगी, जहां से सबसे अधिक फोन आ रहे हैं। भोपाल की साइबर क्राइम पुलिस को हम और मजबूत करेंगे।

कार्यभार सम्हालने के बाद श्री मिश्र ने पुलिस उपायुक्त से मुलाकात की पुलिस उपायुक्त मुख्यालय से शहर के थानों का चार्ट और मैप मांगा। उसके बाद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त से उन्होंने शहरभर में नवदुर्गा और रमजान को लेकर पुलिस की तैनाती को लेकर जानकारी ली। संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि महिला अपराध रोकना उनकी पहली प्राथमिकताओं में है। इसके अलावा वह शहर में साइबर अपराध, खुदकुशी और मादक पदार्थ तस्करी को रोकने हेल्पलाइन को प्रभावी बनाएंगे। उसके बाद आधार पर उस इलाके को चिन्हित कर पुलिस बल की पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी। थानास्तर पर चौकसी बढ़ाएंगे और महिला अपराध शाखा के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश रहेंगे।

भारत, पाकिस्तान व अफगानिस्तान में भूकंप के झटके, अब तक 9 की मौत

नई दिल्ली। भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद से 133 किमी दक्षिण पूर्व में जमीन से 156 किमी की गहराई में था। पाकिस्तान में 9 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 302 लोग घायल हैं। अफगानिस्तान में भी दो लोगों की जान चली गई है।

भारत में भी इसका असर देखा गया। दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और जम्मू कश्मीर भी हिल गए। इससे लोगों में अफरा-तफरी देखी गई। लोग घबराकर जान बचाने के लिए घरों से बाहर आ गए। दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद के कई इलाकों में लोगों ने पूरी रात घर के बाहर गुजारी।

भोपाल, ग्वालियर में भी अहसास हुआ

इस बार भूकंप के झटके स्स्के ग्वालियर, भोपाल में भी महसूस हुआ। लोगों ने कुछ सेकेंड्स के लिए कंपन महसूस किया। शहर में ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग तो सड़क पर आ गए।

Dangers Of Wrong Economics

एन. के. त्रिपाठी

On 10th March regulators declared Silicon Valley Bank (SVB), a 40-year-old bank set up to cater to the tech companies of America, had failed.

This crisis was the direct result of repeated increase in the interest rate by the Federal Bank of US. This hike in interest rates was to contain high inflation in America due to disruption of economy during and post Covid-v~. The classical theory of controlling inflation in all the countries is to enhance the interest rate by the central banks to make the loans more e&pensive. This ensures that less money (liquidity) is taken from banks for investment in business, thereby reducing the money supply in the market. The reduction in money in the market suppresses the prices of commodities to control inflation. The action by the Federal Bank of US was a big mistake, because it failed to see the nature of the inflation. This inflation was not the result of the increase in demand, but it was due to the disruption in the global and domestic supply chains during and after the pandemic. RBI should get wiser.

Amid rising interest rates and a slowing economy, a funding scarcity set in and start-ups started finding it difficult to raise funds. They began falling back on their deposits. Typically when interest rates rise, bond prices fall and vice-versa.

SVB couldnÓt stop depositors from withdrawing their money. So, it had to sell some of the bonds it had bought, even if it meant incurring a loss. In crisis SVB said it had sold $wv billion worth of bonds at a loss of around $v.} billion. Its share price was falling and more people had started withdrawing their deposits from the bank. The regulator shut the bank down to avoid a contagion. However, x US banks have collapsed and a fourth bank has received help of $x® billion from a consortium of banks. In Europe, Credit Suisse had to borrow $zy billion from the Swiss central bank.

Every bank works on the trust and confidence the depositors have in it. No bank can survive if enough depositors want to be repaid at the same time. The trick, therefore, is to ensure that customers never have cause to whisk away their cash. The managers of Silicon Valley Bank, formerly AmericaÓs v{th-largest lender, failed to maintain trust at this moment. After public scrutiny of bank accounts deposits worth $ywbn were withdrawn, a quarter of the bankÓs total. The bank failed.

There was repercussion in the global markets. Indian stock e&changes also felt the pressure but fortunately India and the world in general for now, unlike w®®}, seem to have escaped the catastrophe of recession.

क्या अगला विश्व युद्ध जल को लेकर होगा !

अनिल तंवर

इस साल 2023 की विश्व जल दिवस की थीम है एक्सीलरेटिंग द चेंज टू साल्व वाटर एंड सेनिटेशन क्राइसिस, यानी परिवर्तन में तेजी'। इसका अर्थ हुआ कि पानी और सैनिटेशन के क्राइसिस को दूर करने के लिए तेज गति से बदलाव करने होंगे।

विश्व जल दिवस प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है। आज विश्व में जल का संकट कोने-कोने में व्याप्त है। लगभग हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। दुनिया औद्योगीकरण की राह पर चल रही है, किंतु स्वच्छ और रोग रहित जल मिल पाना कठिन हो रहा है। विश्व भर में साफ़ जल की अनुपलब्धता के चलते ही जल जनित रोग महामारी का रूप ले रहे हैं। कहीं-कहीं तो यह भी सुनने में आता है कि अगला विश्व युद्ध जल को लेकर होगा। इंसान जल की महत्ता को लगातार भूलता गया और उसे बर्बाद करता रहा, जिसके फलस्वरूप आज जल संकट सबके सामने है। विश्व के हर नागरिक को पानी की महत्ता से अवगत कराने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जल दिवस मनाने की शुरुआत की थी।

जल दिवस का प्रारम्भ- 'विश्व जल दिवस' मनाने की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1992 के अपने अधिवेशन में 22 मार्च को की थी। 'विश्व जल दिवस' की अंतरराष्ट्रीय पहल 'रियो डि जेनेरियो' में 1992 में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी, जिस पर सर्वप्रथम 1993 को पहली बार 22 मार्च के दिन पूरे विश्व में 'जल दिवस' के मौके पर जल के संरक्षण और रख-रखाव पर जागरुकता फैलाने का कार्य किया गया।

प्रकृति इंसान को जीवनदायी संपदा जल एक चक्र के रूप में प्रदान करती है, इंसान भी इस चक्र का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। चक्र को गतिमान रखना प्रत्येक व्यक्ति की ज़िम्मेदारी है। इस चक्र के थमने का अर्थ है, जीवन का थम जाना। प्रकृति के ख़ज़ाने से जितना पानी हम लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते। अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित नहीं होने देना चाहिए और पानी को व्यर्थ होने से भी बचाना चाहिए। 22 मार्च का दिन यह प्रण लेने का दिन है कि हर व्यक्ति को पानी बचाना है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय भोपाल में पूर्व मुख्यमत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह पूर्व मंत्री अरुण यादव, विधायक जयवर्धन सिंह की मौजूदगी में भाजपा के पूर्व विधायक राव देशराज सिंह यादव के पुत्र यादवेन्द्र सिंह यादव ने आज कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

मध्यप्रदेश में यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम सीजन-3 का आगाज़

भोपाल। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा पत्रकार वार्ता को यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम के मध्यप्रदेश के प्रभारी भूदेव शर्मा एवं प्रदेश युकां अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने बताया कि यंग इंडिया के बोल की शुरूआत वर्ष 2019 में हुई जिसका पहला और दूसरा सीजन हो चुका यह सीजन -3 है। भारतीय युवा कांग्रेस जो राजनीति में युवाओं का सबसे बड़ा मंच है युवा कांग्रेस द्वारा इसकी शुरूआत की गई यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम की शुरुआत करने का उद्देश्य देश के युवाओं की आवाज को एक राजनीतिक मंच प्रदान करना अधिकांश युवा अपनी आवाज को रखना चाहते है लेकिन सरकार प्रशासन के दबाव में वह अपनी

आवाज प्रकट नहीं कर सकते या ये कहे की एक प्लेटफार्म का अभाव रहा है। यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम की सह प्रभारी सुश्री ऐश्वर्या ने कहा कि यंग इंडिया के बोल भाषण व वाद-विवाद प्रतियोगिता है। जिसमें देश भर से निश्चित समय में ऑनलाइन आवेदन मंगवाए जाते हैं।

दिल्ली: 78 हजार करोड़ का बजट पेश

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने आजविधानसभा में राज्य का 9वां बजट पेश किया। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के बजट को मंजूरी दे दी थी। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने स्पीच की शुरुआत में डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को भगवान राम बताया। उन्होंने कहा, मनीष सिसोदिया बजट पेश करते तो ज्यादा खुशी होती। जब भगवान श्री राम वनवास गए थे,

तब भरत ने सिंहासन पर उनकी खड़ाऊं रखकर राज किया था। वैसे ही मैं काम करूंगा। अगला बजट मनीष सिसोदिया ही पेश करेंगे।

कैलाश गहलोत ने कहा, 8 साल में हमने दिल्ली का चेहरा बदला है। इस दौरान 28 फ्लाईओवर बनाए हैं और बिचौलिया राज खत्म किया है। दिल्ली में मेट्रो नेटवर्क को दोगुना किया है। 193 किलोमीटर नेटवर्क बढ़ा।

31 मार्च तक खुले रहेंगे सभी बैंक

नई दिल्ली। बैंकों की सभी ब्रांच 31 मार्च तक खुली रहेंगी। आरबीआई ने बैंकों को अपनी ब्रांच 31 मार्च तक खोले रखने का आदेश दिया है। इससे अब आप रविवार को भी बैंक से जुड़े काम निपटा सकेंगे। 31 मार्च के बाद लगातार 2 दिन यानी 1 और 2 अप्रैल को बैंकों में कामकाज नहीं होगा। आरबीआई ने कहा कि 31 मार्च को फाइनेंशियल ईयर 2022-23 खत्म हो जाएगा। सरकार से जुड़े सभी ट्रांजैक्शंस इस तारीख तक सेटल हो जाने चाहिए।

प्रधानमंत्री के खिलाफ पोस्टर

100 एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाने के मामले में पुलिस ने 100 एफआईआर दर्ज की हैं। सभी केस प्रिंटिंग प्रेस एक्ट और प्रॉपर्टी डिफेसमेंट एक्ट के तहत दर्ज किए गए हैं। वहीं आम आदमी पार्टी के ऑफिस से निकलते हुए एक वैन से भी पोस्टर जब्त किए गए। इस केस में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के मुताबिक दिल्ली के कुछ हिस्सों में मोदी हटाओ देश बचाओ नारों वाले पोस्टर लगे थे।

इन पोस्टरों में प्रिंटिंग प्रेस का ब्योरा नहीं था। आईपी स्टेट थाने के एक कॉन्स्टेबल ने पप्पू मेहता नाम के एक शख्स को पोस्टर लगाते हुए पकड़ा था। पप्पू के पास 38 बंडल पोस्टर मिले थे।

मप्र में कल से फिर बदलेगा मौसम, ग्वालियर-चंबल में बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में 23 से 25 मार्च के बीच फिर से वेदर डिस्टर्बेंस होगा और कई शहरों में बारिश होगी। इस सिस्टम का असर ग्वालियर-चंबल संभाग में ज्यादा दिखाई देगा, जबकि भोपाल और इंदौर में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। बुधवार को ज्यादातर जिलों में मौसम के साफ रहने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांड ने बताया कि 16 मार्च से एक्टिव सिस्टम 20-21 मार्च को खत्म हो गया। इससे अधिकांश शहरों में मौसम में सुधार हो गया, लेकिन 23 से 24 मार्च के बीच बारिश का एक दौर फिर आ रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर ग्वालियर-चंबल में रहेगा। मौसम विभाग की माने तो 23 से 25 मार्च के बीच भोपाल, विदिशा, सीहोर, बैतूल, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, रीवा, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में मौसम बदला रहेगा। तेज हवा के साथ हल्की बारिश होने के भी आसार है।

संत लाल साईं का संत हिरदाराम पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष कमल मनसुखानी ने किया सम्मान

संत हिरदारामनगर। वेदांत संत लाल साईं का संत हिरदाराम पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष कमल मनसुखानी ने अपने निवास पर भगवान झूलेलाल की प्रतिमा तथा शॉल श्रीफल देकर सम्मान किया। इस मौके पर पत्रकार संघ के दीनानाथ गुर्जर विवेक शर्मा, रवी शर्मा, मनोज शर्मा, अंकित श्रीवास्तव, अजय चौकसे आदि मौजूद थे।

नारी सशक्तिकरण संघ ने आयोजित किया नारी रत्नसम्मान समारोह

भोपाल। राष्ट्रीय नारी सशक्तिकरण संघ द्वारा नारी रत्न सम्मान समारोह का आयोजन किया गया इस समारोह में डेढ़ सौ महिलाओं को सम्मानित किया गया नारी सशक्तिकरण संघ की प्रदेश अध्यक्ष पूजा सिंह परमार ने बताया कि उनके द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया आसपास की अनेक महिलाओं को आर्थिक साधन एवं रोजगार से जोड़ा गया राष्ट्रीय नारी सशक्तिकरण संघ महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उन्हें हर तरह से आर्थिक संबल प्रदान करता है जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से अपने घर पर को सहारा दे सकें।

छावनी में होगी संगीतमय भागवत कथा

भोपाल। ग्रामीण क्षेत्र के आदमपुर छावनी स्थित शिव मंदिर परिसर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ आज भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। आयोजक विष्णु विश्वकर्मा ने बताया कि कलश यात्रा में महिलाओं और बालिकाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति होगी। इसके साथ ही संगीतमय भागवत कथा पंडाल में प्रतिदिन 501 सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठ भी किए जाएंगे। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा के अनुसार पूज्य राधिका किशोरी द्वारा श्री राधे नाम संकीर्तन का व्याख्यान प्रतिदिन दोपहर 3ः00 से 6ः00 बजे तक किया जाएगा। चैत्र नवरात्र के प्रथम दिवस से प्रारंभ होने वाला श्रीमद् भागवत कथा का यह आयोजन 28 मार्च को पूर्णाहुति कन्या पूजन और प्रसाद वितरण के साथ संपन्न होगा।

केन बेतवा लिंक परियोजना से भूजल से अप्रत्याशित लाभ

भोपाल। देश की महत्वकांक्षी परियोजना केन बेतवा लिंक परियोजना के लिए शीघ्र कार्य शुरू होने जा रहा है देश में पहली बार नदियों को जोड़ने की प्रक्रिया साकार होने जा रही है केन बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के उत्तर प्रदेश में 190 और हेक्टेयर और मध्य प्रदेश के 490 हेक्टेयर भूमि को सीधे सिंचित होने का लाभ मिलेगा ब्यूरो ऑफ डिजाइन हाइडल एंड इरिगेशन के चीफ इंजीनियर जीपी सोनी ने बताया कि इस परियोजना से पूरे क्षेत्र में भूजल स्तर में बढ़ोतरी होगी पूर्व में भी इन परियोजनाओं से निमाड़ी में मालवा क्षेत्र में भूजल स्तर में बढ़ोतरी हुई साथ ही जो फ्लोराइड की समस्या थी वह भी समाप्त हुई है केन बेतवा लिंक परियोजना से भी भूजल में वृद्धि से इस क्षेत्र में अप्रत्याशित लाभ होगा लोगों को भौतिक साधन के जरिए इंजीनियर ने समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ऑल इंडिया इंजीनियर फेडरेशन के उपाध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि आज जीवन का कोई भी क्षेत्र इंजीनियरिंग से अछूता नहीं है सर विश्वेश्वरैया मोक्षगुंडम को भारत सरकार द्वारा भारत रत्न देकर इसी योगदान को पहचाना गया आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में भारत के इंजीनियर महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं।

सात दिनों तक कई आयोजनों और कार्यक्रमों से ग्रामीणों को किया जागरूक

शासकीय गीतांजलि कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष शिविर का समापन

संत हिरदाराम नगर। शासकीय गीतांजलि कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर भोपाल जिले के ग्राम चंदूखेड़ी में 13 मार्च से 19 मार्च तक आयोजित किया गया। ग्रामीणों को जागरूक करने सात दिनों तक अलग अलग विषयों पर रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को जागरूक करने के लिए परियोजना कार्य के अंतर्गत पर्यावरण स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति, रक्तदान महादान एवं स्वच्छता आदि विषयों पर जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी इसके अतिरिक्त स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम सर्वे ,विद्यालय सर्वे एवं आंगनवाड़ी का सर्वे कार्य भी किया, स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर ग्रामीण वासियों को जागरूक किया। शिविर में प्रतिदिन बौद्धिक सत्र के अंतर्गत विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर जैसे बाल संरक्षण, योग का जीवन में महत्व, रक्तदान का महत्व एवं पोषण संबंधी विभिन्न जानकारियां दी गई।

प्रतिदिन छात्राओं ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतिः शिविर में प्रतिदिन संध्या समय में छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गई शिविर के अंतिम दिवस पर समापन समारोह के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जयश्री मिश्रा ,प्राध्यापक डॉ चंदेल, डॉ सरोज यादव, लेखाकार श्री गोपाल बाथम ,ग्राम सरपंच श्री रामजीवन मीणा ,पत्रकार श्री राजेश विश्वकर्मा एवं दोनों कार्यक्रम अधिकारी डॉ आराधना वर्मा व डॉ प्रतीक्षा सावले उपस्थित रहे। इस अवसर पर छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी वितरण की गई तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

करों की अदायगी न करने वालों की 14 दुकानों में लगाए ताले

निगमायुक्त के निर्देश पर की निगम अमले ने की कार्रवाई, 2 दुकानदारों पर होगी एफआईआर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम द्वारा संपत्तिकर एवं जल उपभोक्ता प्रभार सहित अन्य करों/शुल्कों की शत-प्रतिशत वसूली का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है साथ ही करों की अदायगी न करने वालों के विरूद्ध कुर्की/असेधन/नीलामी आदि की कार्यवाही भी की जा रही है। इसी क्रम में निगम आयुक्त के.वी.एस.चैधरी के निर्देश पर अपर आयुक्तद्वय संदीप केरकेट्टा एवं विनीत तिवारी के मार्गदर्शन में निगम के अमले ने जोन क्र04 के वार्ड क्र016 अंतर्गत मेकेनिकल मार्केट के 10 बकायेदारों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए उनकी दुकानों में तालाबंदी की कार्यवाही की तथा 01 निजि स्वामित्व की सम्पत्ति को आसेधित किया गया। इसी के साथ नव बहार सब्जी मण्डी की 04 दुकानों में तालाबंदी की कार्यवाही की गई तथा निगम द्वारा लगाए गए ताले तोड़कर व्यवसाय करते पाए गए 02 व्यापारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए एफ.आई.आर. दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। कार्यवाही के दौरान जोनल अधिकारी, वार्ड प्रभारी तथा अन्य कर्मचारियों के साथ अतिक्रमण अमला भी मौजूद था।

निगम आयुक्त श्री के.वी.एस.चैधरी के निर्देश पर मंगलवार को अपर आयुक्तद्वय श्री संदीप केरकेट्टा एवं श्री विनीत तिवारी के मार्गदर्शन में जोन क्र04 के वार्ड क्र016 अंतर्गत छोला रोड स्थित मेकेनिकल मार्केट के 10 बकायेदारों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए उनकी दुकानों में तालाबंदी की कार्यवाही की गई तथा 01 निजी स्वामित्व की सम्पत्ति को आसेधित किया गया। मौके पर ही एक दुकानदार द्वारा बकाया राशि का चेक दिए जाने पर ताला खोला गया। इसी के साथ नव बहार सब्जी मण्डी में 04 दुकानों में तालाबंदी की कार्यवाही की गई, 02 दुकानदारों द्वारा मौके पर ही किश्तों में राशि जमा करने के फलस्वरूप उनके ताले खोले गए। कार्यवाही करने के पूर्व राशि जमा करने हेतु अनाउंसमेंट भी कराया गया। नव बहार सब्जी मण्डी की दुकानों में निगम द्वारा लगाए गए ताले तोड़कर व्यवसाय करते पाए गए 02 व्यापारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए एफ.आई.आर. दर्ज कराने के निर्देश जोनल अधिकारी को दिए।

निगम आयुक्त श्री चैधरी के निर्देश पर जोन क्र. 06 के वार्ड क्र.48 अंतर्गत प्लाट नंबर 17 छावनी शाहपुरा में संपत्ति अधिग्रहण की कार्यवाही एवं नल विच्छेद की कार्यवाही की गई इसी के साथ शाहपुरा गांव में नल कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही की गई। जोन क्रमांक 12 के वार्ड क्र. 44 में करों की अदायगी न करने के कारण तालाबंदी की कार्यवाही की गई। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि 31 मार्च 2023 तक करों की अदायगी न करने पर अधिभार लगने, स्वयं के उपयोग वाली संपत्तियों पर दी जाने वाली 50 प्रतिशत छूट समाप्त होने तथा संपत्तियों की कुर्की/नीलामी की कार्यवाही संबंधी जानकारी देकर करों की अदायगी हेतु करदाताओं को प्रेरित करें।

एमपी फार्म गेट एप से भी अपनी फसल का विक्रय कर सकेंगे किसान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कृषि उपज विपणन के क्षेत्र में अभिनव कदम उठाते हुए मोबाईल एप के माध्यम से अपनी कृषि उपज का विक्रय अपने घर, खलिहान, गोदाम से कराने की सुविधा प्रदान की गई है। सर्वप्रथम किसान अपने एंड्राइड मोबाईल पर प्ले स्टोर में जाकर मंडी बोर्ड भोपाल का मोबाईल एप स्क्क स्न्न्ररू त्र्न्नञ्जश्व ,क्क्क डाउनलोड करना होगा तथा एप इंस्टाल कर कृषक पंजीयन पूर्ण करना होगा। फसल विक्रय के समय किसानों को अपनी कृषि उपज के संबंध में मंडी फसल, ग्रेड-किस्म, मात्रा एवं वांछित भाव की जानकारी दर्ज करना होगा। किसानों द्वारा अंकित की गई समस्त जानकारियां चयनित मंडी के पंजीकृत व्यापारियों को प्राप्त हो जाएगी तथा प्रदर्शित होगी। व्यापारी द्वारा फसल की जानकारी एवं बाजार की स्थिति के अनुसार अपनी दरें ऑनलाईन दर्ज की जाएगीं जिसका किसान को एप में मैसेज प्राप्त होगा। जिसके उपरांत आपसी सहमति के आधार पर चयनित स्थल पर कृषि उपज का तौल कार्य होगा। कृषि उपज का तौल कार्य होने के बाद ऑनलाईन सौदा पत्रक एवं भुगतान पत्रक जारी किया जाएगा और शासन, मंडी बोर्ड के नियमानुसार नगर या बैंक खाते में भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार किसान स्क्क स्न्न्ररू त्र्न्नञ्जश्व ,क्क्क मोबाईल एप के माध्यम से मंडी में आए बिना अपने घर, गोदाम, खलिहान से भी अपनी कृषि उपज का विक्रय कर सकते हैं। इस एप पर किसान प्रदेश की मंडियों में विक्रय की जाने वाली उपजों के दैनिक भाव की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। किसानों से इस एप को अपने एंड्राइड मोबाईल में इंस्टाल कर राज्य शासन एवं मंडी बोर्ड की इस अभिनव पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की गई है।

24 मार्च तक किसान कर सकेंगे पंजीयन

भोपाल । कलेक्टर अविनाश लवानिया ने बताया है कि जिले में रबी विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर गेहूं पंजीयन के लिए अंतिम तिथि में वृद्धि की जाकर अब अंतिम तिथि 24 मार्च नियत की गई है। कलेक्टर ने बताया कि असामयिक वर्षा को दृष्टिगत उत्पादक किसानों को समर्थन मूल्य योजना का लाभ उपलब्ध कराने के लिए किसान पंजीयन के लिए 22 मार्च से 24 मार्च तक पंजीयन पोर्टल खोला गया है। उन्होंने पंजीयन से शेष रह गए किसानों से तत्काल पंजीयन करवाने की अपील की है।

नवीन मान्यता और नवीनीकरण के आवेदन 27 तक

भोपाल । निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत सत्र 2023-24 हेतु नवीन मान्यता/मान्यता नवीनीकरण, आवेदन हेतु 16 फरवरी निर्धारित की गई थी। उक्त समय-सीमा के अंदर आवेदन प्रस्तुत करने में असफल रहने की दशा में नियमों के उल्लेखित प्रावधानों के अंतर्गत तीन हजार रुपए विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन करने हेतु अंतिम तिथि अब 27 मार्च कर दी गई है। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी नवीन निर्देशानुसार समय-सीमा में मान्यता हेतु आवेदन नहीं करने वाले अशासकीय विद्यालयों के लिए 20 मार्च से 27 मार्च तक विलंब शुल्क सहित मान्यता आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि अधिसूचित की गई है। इस तिथि के पश्चात सत्र 2023-24 हेतु मान्यता आवेदन नहीं किए जा सकेंगे।

मदरसा बोर्ड की हाई और हायर सेकंडरी परीक्षा के आवेदन 10 अगस्त तकः म.प्र. मदरसा बोर्ड की हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी (उर्दू माध्यम) परीक्षा सत्र-2023 के लिये परीक्षा आवेदन-पत्र अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से 10 अगस्त 2023 तक स्वीकार किए जायेंगे। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार 11 से 20 सितम्बर तक किया जा सकेगा। भरे गए आवेदन-पत्र डाक द्वारा कार्यालय मदरसा बोर्ड में प्राप्त होने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2023 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथियों में छात्रों को आवेदन कर हार्ड कॉपी संलग्नकों सहित मदरसा बोर्ड कार्यालय को भेजना होगी।

नवीन उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए आवेदन 28 मार्च तक

भोपाल । जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकान विहीन ग्राम पंचायतों में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान खोलने के लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि में वृद्धि करते हुए अंतिम तिथि 28 मार्च तक की जाती है। पात्र संस्थाएं अवकाश के दिवस में भी ऑनलाईन आवेदन कर सकती हैं। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया कि पात्र संस्थाओं से उचित मूल्य दुकान विहीन ग्राम पंचायतों में नवीन उचित मूल्य दुकान खोलने की प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जाना है। श्रीमती मालाकार ने बताया कि हुजूर विकासखंड में उचित मूल्य दुकान विहीन ग्राम पंचायत हुजूर में पाटनिया, समसगढ़, डोब, महाबडिया,छापरी, बिशनखेड़ी, गुराडिया, पिपलियारानी, अरेडी, मुबारकपुर, पडरिया सांकल, बरखेडी हज्जाम, झागरिया खुर्द और मेंडोरा में नवीन शासकीय मूल्य उचित दुकान खोली जानी है। इन ग्राम पंचायतों में उचित मूल्य की दुकान के लिए एक भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है । श्रीमती मालाकार ने बताया कि ऐसी संस्था जिनका पंजीयन उचित मूल्य दुकान आवंटन के लिए आवेदन दिनांक से एक वर्ष न होने पर, ऐसी संस्था दुकान आवंटन के लिए पात्र नहीं होगी।

वीरांगना अवंतीबाई के बलिदान दिवस पर रवींद्र भवन में हुआ कार्यक्रम

भोपाल। वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के बलिदान दिवस पर भोपाल स्थित रवींद्र भवन के हंस ध्वनि सभागृह में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम वीरांगना रानी अवंतीबाई चौराहा पहुंचकर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात लोधी समाज के सम्मानित साथियों, सामाजिक बंधुओं तथा अतिथिगणों के साथ एक भव्य रैली के रूप में कार्यक्रम स्थल तक पहुंचा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रानी अवंतीबाई लोधी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर तथा पुण्य दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहा , भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश महामंत्री संजय राय, सिलवानी के वर्तमान लोकप्रिय विधायक रामपाल सिंह, अखिल भारतीय लोधी राजपूत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल राजपूत, केंद्रीय भंडारण निगम की स्वतंत्र निदेशक अनुपमा सिंह लोधी छू लो आसमान किसने रोका है की डायरेक्टर साक्षी लिल्हारे, पवई विधायक प्रह्लाद लोधी, भाजपा जिला पंचायत एवं पूर्व प्रदेश मंत्री ऋषि लोधी, जिला पंचायत सदस्य ध्रुव लोधी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा भगत सिंह कुशवाहा एवं पूरे मध्यप्रदेश से पधारे लोधी लोधा लोध समाज के श्रेष्ठ लोग, तथा सम्मानित सामाजिक जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोधी समाज की महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का धन्यवाद दिया गया।

गांधीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नहीं मिलते डॉक्टर, भटकते रहते हैं मरीज

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संत हिरदाराम नगर बैरागढ से लगा हुआ राजधानी का पहला वार्ड एक गांधीनगर के सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संविधा एवं रेगूलर डाक्टरों का बोल बाला चल रहा है सुवा ओपीडी का समय लग भग अनुमानित 9 बजे रहेता है लेकिन समय 10 बजे से 11बजे डॉकटर अस्पताल में आते हैं रात्रि में भी समय पर डॉकटर नहीं आते हैं जिसके चलते सैकड़ो गरीबों को एवं ग्राम वासीयों को इलाज कराने के लिए प्राईवेट क्लिनिक व प्राईवेट अस्पताल मे झोला छाप डॉक्टरों को मोटी रकम देकर इलाज कराना पड रहा है मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के पूर्व प्रदेश संयोजक एवं गाँधीनगर क्षेत्र के कांग्रेस नेता शिवप्रसाद अहिरवार ने एक प्रेस नोट जारी कर बताया है कि बदलते मौसम के बीच वायरल से लोग पीडित है कैई गंभीर बीमारी का प्रकोप जारी है जेसे की सर्दी जुकाम बुखार खांसी स्वांस निमोनिया पीलिया शुगर बीपी थायराइड व अन्य बीमारियों का प्रकोप जारी है कांग्रेस नेता शिवप्रसाद अहिरवार ने कहा है कि मेरे द्वारा वर्षो से गाँधीनगर स्वास्थ्य केंद्र में समय डॉक्टर नहीं आने कि आवाज उठाई जा रही है लेकिन अभी तक गाँधीनगर के स्वास्थ्य केंद्र मे पदस्थ संविधा एवं रेगूलर डाक्टरों पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हूई है जिसके चलते इनके होसले बुलंद हैं और अपने प्रराईबेट अस्पताल व क्लिनिक चलाने में मस्त है और स्वास्थ्य विभाग से मोटी पागार भी ले रहे हैं ताजा मामला सोमवार 20 मार्च 2023 का है । स्वास्थ्य केंद्र गाँधीनगर में भीड़ थीं लेकिन 10 बजे के 30 मिनट पर डॉक्टरों का आना चालू हुआ समय पर डॉक्टरों नहीं होने के कारण मरीजों को ईलाज के इधर उधर भटकना पड़ता है ।

कांग्रेस नेता ने बताया है कि गाँधीनगर सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत फंदा ब्लाक में कई छोला छाप डॉक्टरों के क्लिनिक संचालित हो रहे हैं जो बिना डिग्री डिप्लोमा के कार्य कर रहे हैं। डोज देकर अन्य बीमारियों का इलाज कर रहे हैं । गाँधीनगर सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ के द्वारा व जिला स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा क्षेत्र में दौरा भी नहीं किया जाता है जिसके चलते झोला छाप डॉक्टरों का होसला बुलन्द हैं। भोली भाली जनता से इलाज के नाम पर मोंटी रकम वसूल रहे हैं। मरीजों की जान जोखिम में डाल कर हैवी डोज देकर उपचार कर रहे हैं इन सभी झोला छाप डॉक्टरों के पंजीयन संबंधित जाँच होना चाहिए जिससे जनता कीं जान के सांथ खिलवाड़ ना हो और फर्जी झोला छाप डॉक्टरों से बचे रहें। कांग्रेस नेता शिवप्रसाद अहिरवार ने जिला स्वास्थ्य अधिकारी व गाँधीनगर बीएमओ पर आरोप लगाते हुए कहा कि डॉकटरो का समय पर नहीं आना एवं झोला छाप डॉक्टरों पर उचित जाँच करा कर जनहित में कारवाही नहीं करना इनके संरक्षण में फल फुल रहा है जिसके चलते क्षेत्र और ग्राम वासियों को इलाज के लिए दर -दर को भटकना पड़ता है कांग्रेस नेता शिवप्रसाद अहिरवार ने स्वास्थ्य विभाग में बैठे जिम्मेदार अधिकारियों से मांग कीं है कि समय पर नहीं आने वाले डॉक्टरों पर कडी से कडी कार्यवाही होना चाहिए। एवं फंदा ब्लाक के अंतर्गत संचालित प्राइवेट क्लिनिक व अस्पताल पंजीयन की जांच होनी चाहिए।

तलैया स्थित कालिका मंदिर सहित कई मंदिरों में जलाभिषेक किया

भोपाल। चैत्र नवरात्रि प्रारंभ होने पर तलैया स्थित कालिका मंदिर सहित भोपाल में विभिन्न मंदिरों में भक्तजनों द्वारा मां की पूजन करने के पश्चात जलाभिषेक किया

भोपाल। महाराष्ट्रीयन समाज की महिलाओं ने गुड़ीपड़वा पर्व मनाया।

हिन्दू नव वर्ष के आगमन पर अमरनाथ कालोनी के रहवासियों ने प्रभातफेरी

भोपाल। नव सम्वत्सर 2080 चैत्र प्रतिपदा हिन्दू नव वर्ष के आगमन पर अमरनाथ कालोनी के रहवासियों ने प्रभातफेरी निकाली। जिसका आरम्भ अमरनाथ मंदिर से किया गया उत्तर एवम दक्षिण अमरनाथ की फेरी के पश्चात पैलेस ऑर्चर्ड का भ्रमण कर अमरनाथ मंदिर में भजनों के पश्चात फेरी का समापन किया गया। मैया के जयकारों एवम भजनों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। अमरनाथ कालोनी के बच्चों ने भी बड़े उत्साह से भाग लिया। पैलेस ऑर्चर्ड एवम दक्षिण अमरनाथ कालोनी में भक्त जनों द्वारा पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत किया गया।

प्रदेश में फिर बेरोजगार युवाओं के साथ छलावा: जीतू पटवारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बेरोजगारों को रोजगार के नाम पर मध्यप्रदेश में भांति-भांति के तरीके से छला जा रहा है,कभी उनसे परीक्षा के नाम पर भारी-भरकम फीस ली जा रही है और सरकार उनके साथ भी व्यापार करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रही है, उसी ही की बानगी है की व्यापम ने परीक्षा की फीस वसूल करके 1064 करोड रुपए कमाए और उसमें भी 500 करोड़ की एफडी करा के रख ली थी,जो आज 350 करोड़ की है।

उसके बाद नया तथ्य युवाओं के बेरोजगारी के नाम पर निकल कर आ रहा है, जो जीतू पटवारी जी के प्रश्न क्रमांक 3009 दिनांक 21 मार्च 2023 को निकला है जिसमें मध्य प्रदेश सरकार ने 2018 में युवाओं को रोजगार देने हेतु 15 जिला रोजगार कार्यालय का कार्य संचालन और बेरोजगारों को रोजगार देना था ये निजी एजेंसी जो कि यशस्वी अकैडमी फॉर टैलेंट मैनेजमेंट महाराष्ट्र की कंपनी थी को काम दिया गया था,जिसके अंतर्गत उसको मध्यप्रदेश में हर साल 35000 युवाओं को रोजगार देने का टारगेट दिया गया था पर 1 अक्टूबर 2020 से मार्च 21 मात्र 6 माह सिर्फ कंपनी को 25000 बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने का टारगेट अनुबंध अनुसार दिया गया था, जिसमें कंपनी द्वारा 11680 युवाओं को रोजगार देना बताया गया , परंतु जब जांच की गई तो पता चला मात्र 4421 युवाओं को ही रोजगार मिला है वहीं अगले वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक 32,848 बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने का टारगेट रखा गया था पर कंपनी इस एक वित्तीय वर्ष में एक भी बेरोजगार युवा को रोजगार नहीं दे पाई , 2 साल में मात्र कंपनी ने 4421 युवाओं को रोजगार दिया जिसके एवज में सरकार से 417,75000र रुपए फीस के बतौर कंपनी को भुगतान किया । जो प्रति बेरोजगार को रोजगार दिलाने के नाम पर

तुष्मुल झा को अवार्ड प्रदान किया

भोपाल। नई दिल्ली में दैनिक भास्कर समूह द्वारा आयोजित एमिनेंस अवार्ड 2022-23 में प्रभात झा के पुत्र तुष्मुल झा को केंद्रीय सूचना प्रसारण खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, दैनिक भास्कर ससमूह के मैनेजिंग डायरेक्टर पवन अग्रवाल एवं अधिशाषी निदेशक भरत अग्रवाल द्वारा अवार्ड प्रदान किया गया।

मानव अधिकारों की रक्षा करना प्रत्येक पुलिसकर्मी का कर्तव्य: डीजीपी

महिला सुरक्षा शाखा द्वारा आयोजित चेतना कार्यशाला का समापन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों एवं रेलवे की मानव दुर्व्यापार निरोधी इकाई के नोडल अधिकारियों के लिए पुलिस मुख्यालय की महिला सुरक्षा शाखा द्वारा आयोजित 'चेतना' (कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप ऑन एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) कार्यशाला के समापन सत्र में डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

इस दौरान डीजीपी सक्सेना ने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा करना प्रत्येक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी का कर्तव्य है। ह्यू मन ट्रैफिकिंग अत्यंत संवेदनशील और रिलेवेंट टॉपिक है। इससे पीड़ित व्यक्ति का हर पल शोषण होता है, उन्हें सदैव समझौता करना पड़ता है। इस अनैतिक व्यापार पर नियंत्रण के लिए हमें निरंतर प्रयास करने होंगे। कार्यशाला के दूसरे दिन राष्ट्रीय वक्ताओं और पुलिस अधिकारियों द्वारा शारीरिक शोषण और देह व्यापार को रोकने के दौरान आने वाली चुनौतियों और अनैतिक दुर्व्यापार (निवारण) अधिनियम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। डीजीपी सक्सेना ने कहा कि जब मैंने प्रतिभागियों से कार्यशाला के संबंध में चर्चा की तो सभी अत्यंत प्रसन्न नजर आए और उन्होंने इस वर्कशॉप को अत्यंत उपयोगी और जानकारी परक बताया। उन्होंने कहा कि भारत में अन्य देशों से भी ह्यू मन ट्रैफिकिंग की जाती है और अन्य देशों में भी यहां से मानव तस्करी होती है। पुलिस किसी भी अपराध के घटित होने के पश्चात फर्स्ट रिस्पॉन्डर होता है। ह्यूमन ट्रैफिकिंग पर रोक लगाने के लिए हमें कैपिसिटी बिल्डिंग की ओर विशेष ध्यान देना होगा। हमें इस अनैतिक दुर्व्यापार के बारे में पूरी जानकारी, कानूनी पेचीदगियों और प्रोटोकॉल का ध्यान रखना होगा। कैपेसिटी बिल्डिंग एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इस समस्या को दूर करने के लिए हमें भी संवेदनशील होने की आवश्यकता है। यदि हमें पीड़ित की मदद करनी है तो बेटर इन्वेस्टिगेशन और बेटर प्रॉसिक्यूशन पर ध्यान देना होगा। डीजीपी ने कहा कि दो दिवसीय कार्यशाला में सभी टॉपिक कवर किए गए हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अपने जिलों में जाकर इस कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का उपयोग करेंगे कार्य और अगले छह महीने में पीड़ितों का रेस्क्यू करेंगे तभी यह कार्यशाला सफल मानी जाएगी। इस दौरान एसआईएएफ के सहायक पुलिस महानिरीक्षक डॉ.वीरेंद्र मिश्रा ने भी उपस्थितजन का मार्गदर्शन किया। सागर जिले के बीना की एडिशनल एसपी ज्योति ठाकुर ने नाबालिगों के यौन शोषण विषय पर केस स्टडी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रसिद्ध समाजसेवी और पदमसे सम्मानित डॉ.सुनीता कृष्णन ने मानव दुर्व्यापार की भयावहता के बारे में अवगत कराया। उन्होंने पीड़ितों के बचाव और उनके पुनर्वास में विभिन्न एजेंसियों की भूमिका की जानकारी दी साथ ही बताया कि इस अनैतिक व्यापार को रोकने के दौरान कई प्रकार की चुनौतियां सामने आती हैं। उन्होंने बताया कि लड़कियों को शादी करने का झांसा देने के कई मामले सामने आते हैं। ये मामले सिर्फ देश में ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़े पैमाने पर सामने आते हैं, जिनमें पहले लड़की खुशी-खुशी आरोपियों के साथ जाती हैं और बाद में उनके जाल में फंस जाती हैं। बाद में उन्हें डरा-धमकाकर देह व्यापार के लिए मजबूर किया जाता है। इस अनैतिक दुर्व्यापार में कदम रखने के पश्चात लड़की अपना आत्मविश्वास और पहचान पूरी तरह से खो देती हैं और शराब, ड्रग्स आदि की लत का शिकार हो जाती हैं। वे किसी भी अन्य पर यहां तक कि पुलिस और उनके हित में कार्य करने वालों पर भी विश्वास नहीं कर पाती हैं। उन्हें मुख्यधारा में लाना अत्यंत दुष्कर कार्य होता है। अपने जीवन में एक भी महिला को यदि आप इस अनैतिक व्यापार में जाने से बचा लेते हैं तो आपका जीवन सार्थक हो जाएगा।

'नो मोर मिसिंग' एनजीओ की संचालक सुवंदना गुलिया ने मानव दुर्व्यापार के लिए साइबर स्पेस के उपयोग और दुरुपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया आज अपराधियों के लिए एक बड़े हथियार के रूप में कार्य कर रहा है।

विश्व वानिकी दिवस पर नगर वन चंदनपुरा में आयोजित हुआ कार्यक्रम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व वानिकी दिवस 21 मार्च के अवसर पर भोपाल रेंज स्थित नगर वन चंदनपुरा पर वन विभाग के सहयोग से तिलसा फाउंडेशन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया आर एस भदौरिया उप वन मंडल अधिकारी भोपाल ने बताया कि विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर नगर वन चंदनपुरा पर लोगों को वनों के महत्व एवं संरक्षण के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया आर एस भदौरिया ने बताया कि विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर इस वर्ष के थीम स्वस्थ वन और स्वस्थ जीवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वन मंडल अधिकारी आर एस भदौरिया ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा बनो और लोगों के स्वास्थ्य के लिए अनेक योजनाओं को चलाया जा रहा है जिसमें संजीवनी केंद्र प्रमुख है साथ ही प्राचीन जड़ी बूटी और वैद्य पद्धति को भी वन विभाग द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रकृति व शरीर में जल तत्व का संतुलन आवश्यक रूप से कायम रहना चाहिए: योग गुरु अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व के सभी देशों में स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना है साथ ही जल संरक्षण के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित करना है। विश्व जल दिवस की इस साल की थीम है जल और स्वच्छता संकट को हल करने के लिए परिवर्तन में तेजी लाना है। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग अभ्यास में जल तत्व धारणा का बहुत महत्व है। आज यदि हम सिर्फ जल की बात करें तो इसका व्यावहारिक महत्व भी उतना ही अधिक है जितना आध्यात्मिक। जल केवल प्यास तृप्त करने, वस्त्र और शरीरांग साफ करने या किसी वस्तु को।

एम्स के डॉक्टरों ने दुर्लभ ऑपरेशन के बाद नई आहार नली बनाई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स, भोपाल में डॉक्टरों की टीम ने हाल ही में चमत्कारिक रूप से दुर्लभ एवं कठिन ऑपरेशन को अंजाम देते हुए नई आहार नली बनाने में सफलता हासिल की है । कुछ समय पूर्व एक महिला ने अपने घर में संक्षारक पदार्थ (टॉयलेट क्लीनर) का सेवन कर लिया जिससे उसकी आहार नली (इसोफेगस) गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई थी । इस संक्षारक पदार्थ के कारण उसकी आहार नली गंभीर रूप से जल गई और उसकी आहार नली पूर्णत: बंद हो गई । इससे उसके पेट पर भी असर पड़ा । वह अपने मुंह से कुछ भी निगलने में असमर्थ थी । यहां तक की वह पानी या अपना लार को निगलने में भी असमर्थ थी इस स्थिति को निगलने में कठिनाई या (डिसफेजिया) कहा जाता है । इस दौरान वह जीवित रहने के लिए ट्यूब के जरिए भोजन (फीडिंग जेजुनोस्टोमी) पर आश्रित थी । इस प्रक्रिया में तरल भोजन सीधे छोटी आंत्र (स्माल इंटेस्टाइन) में पहुंचाया जाता है ।

सामान्य व्यक्ति की भांति खाने-पीने में असमर्थ होने के कारण उसका दैनिक जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा था । एम्स में आने से पहले मरीज ने अपनी समस्या के लिए अन्य अनेक केंद्रों पर परामर्श किया था । एम्स, भोपाल में सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी तथा ईएनटी विभाग के डॉक्टरों की टीम ने उसका परीक्षण किया तथा मरीज के परिजनों से विचार-विमर्श और लंबी तैयारी के बाद नई आहार नली बनाने के लिए सर्जरी की योजना बनाई गई । मरीज की आहार नली वापस बनने के बाद मरीज अब खुश है और लगभग 10 माह के बाद वह अपने मुंह से खाने-पीने में समर्थ हैं ।

डॉ. विशाल गुप्ता, अपर प्राध्यापक एवं सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग के प्रमुख के नेतृत्व में यह ऑपरेशन किया गया । उन्होंनें बताया कि रोगी ने पिछले 10 माह से मुंह के जरिए कुछ भी नहीं खाया-पिया वह भोजन नलिका के माध्यम से आहार पर आश्रित थी । नई आहार नली बनाना वास्तव में एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि संक्षारक पदार्थ के कारण उसकी पूरी इसोफेगस क्षतिग्रस्त हो चुकी थी और पेट को भी नुकसान पहुंचा था । डॉक्टरों की एक टीम ने उसकी बड़ी आँत (कोलोन) के एक हिस्से की सहायता नई आहार नली बनाई । जिसे उसके पेट से खींचकर, छाती से होते हुए गले तक लाया गया । इस सर्जरी के बाद जिसे कोलोनिक पुल-अप या ग्रसनी कोलोप्लास्टी (फैरिंगो कोलोप्लास्टी) कहते हैं, वह नली की सहायता के बगैर खा-पी सकती हैं ।

डॉ. लोकेश अरोरा ने आगे बताया कि मरीज के पेट को भी गंभीर नुकसान पंहुचा था और पेट तथा छोटी आंत्र (इंटेस्टाइन) के बीच भी रास्ता बनाया गया । डॉ. विकास गुप्ता, अपर प्राध्यापक एवं ईएनटी के प्रमुख ने बताया कि वास्तव में उसकी बोलने की क्षमता को रखना चुनौतीपूर्ण था । चूंकि हमने नई आहार नली को उसकी गले में वॉयस बॉक्स के नजदीक जोड़ा है, जो आवाज को नियंत्रित करने तथा इस हिस्से से गुजरने वाले वायु मार्ग को सुरक्षित रखने वाली एक महत्वपूर्ण तंत्रिका है । नौ घंटे तक चले इस लंबे ऑपरेशन को डॉक्टरों की एक टीम द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया । इस ऑपरेशन में सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग के डॉ. विशाल गुप्ता, डॉ. लोकेश अरोरा तथा डॉ. सजय राज, ईएनटी विभाग के डॉ. विकास गुप्ता, डॉ. गणकल्याण, डॉ. राहुल तथा एनेस्थिसिया विभाग की डॉ. शिखा जैन शामिल थीं । मरीज सर्जिकल आईसीयू इंचार्ज डॉ. जेपी शर्मा की निगरानी में लगभग 10 दिन आईसीयू में रही ।

प्रो. डॉ. अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक, एम्स, भोपाल द्वारा इस कठिन एवं बड़े ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संपन्न करने पर पूरी टीम की प्रशंसा की गई । विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय बाजार में आसानी से उपलब्ध अत्यधिक अम्लता वाले गैर-ब्रांडेड टॉयलेट क्लीनर के बिक्री पर सख्त प्रतिबंध लगना चाहिए । चूंकि कई बार इन पदार्थों का विशेष रूप से बच्चों द्वारा दुर्घटनावश या जानबूझकर जीवन को नुकसान पंहुचाने के उद्देश्य से सेवन करने की आशंका रहती है ।

शहीद दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

भोपाल। शहीद दिवस के अवसर पर 23 मार्च को रक्त कोष (ब्लड बैंक) एम्स, भोपाल में सार्थक सेवा केंद्र (एम्स) द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा । रक्तदान शिविर का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। उद्घाटन समारोह सुबह 10 बजे से शुरू होगा। रक्तदान शिविर का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक एम्स भोपाल करेंगे । स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के आयोजकों ने जनता से रक्तदान करने के लिए आगे आने का अनुरोध किया है, जिसका उपयोग जरूरत के समय कीमती जीवन को बचाने के लिए किया जा सकता है ।

प्रवाह 2023 खेल उत्सव एम्स में पूरे उत्साह से आयोजित किया जा रहा

कॉलेज स्पोर्ट्स फेस्ट प्रवाह 2023 का छठा दिन सभी प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए एक रोमांचक अनुभव था। दिन की शुरुआत बड़ी ऊर्जा के साथ हुई, और पूरे दिन कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित किए गए। दिन के लिए मुख्य कार्यक्रम गर्ल्स कबड्डी, थ्रोबॉल और बॉयज कबड्डी, वॉलीबॉल और फुटबॉल थे। आने वाले कार्यक्रमों में तैराकी प्रतियोगिताएं, कबड्डी लड़के, कबड्डी लड़कियां, फुटबॉल लड़के और लड़कियां हैं। ग्रे हाउस लगातार अपनी स्थिति बनाए हुए है।

स म्पा द की य

जागो अपने शहर के लिए...

क्या भोपाल का और विस्तार खतरनाक हो सकता है? क्या हम जीवन की कीमत पर कांक्रीट के जंगल खड़े कर रहे हैं? क्या यहां की हरियाली हमारे काम नहीं आ पाएगी? ऐसे अनेक प्रश्न लगातार इसलिए उठ रहे हैं, क्योंकि इस शहर में वायु प्रदूषण के साथ ही जल प्रदूषण भी बढ़ रहा है और ध्वनि प्रदूषण पर लगाम लग नहीं पा रही है। भूगर्भीय जल लगातार गिरता जा रहा है, बरसाती पानी का संग्रहण कम होता जा रहा है। तो क्या शहरी नियोजन के नाम पर हमें ठगा जा रहा है? या फिर विशेषज्ञों की सलाह कोने में रखकर हम अपनी बर्बादी की कहानी स्वयं लिख रहे हैं?

सवाल सख्त हो सकते हैं। बात कड़वी लग सकती है। परंतु सोलह आने सच ही है। क्योंकि हम पुरानी हरियाली खत्म करके जो पौधारोपण कर रहे हैं, असल में वो शोपीस जैसे ही तो हैं। यदि नहीं हैं तो भोपाल का भूजल स्तर लगातार क्यों गिर रहा है? क्यों यहां बरसाती पानी का संग्रहण नहीं हो पा रहा है? आज शहरी नियोजन

विशेषज्ञ डा. शीतल शर्मा के साथ प्रकाशित हुई बातचीत ने इस ओर फिर से ध्यान आकर्षित किया है। क्या आपको पता है- भोपाल सालाना 4 प्रतिशत बढ़ रहा है, जबकि यहां हरियाली 8 प्रतिशत ही बची है? इसी के चलते 20 साल पहले जहां 60 प्रतिशत से 70 प्रतिशत बरसाती पानी जमीन में जाता था, अब 85 से 90 प्रतिशत बह जाता है। इस दौरान 90 प्रतिशत इलाके में कांक्रीट बिछ चुका है। पहले चूना भट्टी में जहां 125 फीट पर पर्याप्त पानी मिल जाता था, अब 400 फीट तक बोरिंग करना पड़ती है।

अरेरा कॉलोनी में जल स्तर 300 से गिरकर 600 फीट और कोलार में 200 फीट से गिरकर 600 फीट तक पहुंच गया है। बढ़ती आबादी और आवश्यकता को देखते हुए हमें 202.98 हेक्टेयर जमीन और चाहिए, जो मौजूदा प्लानिंग एरिया से 32 प्रतिशत अधिक है। एक बड़ी गड़बड़ी यह है कि हम केवल जमीन की कीमत देखकर प्लानिंग कर रहे हैं, जबकि मिट्टी की प्रकृति के अनुसार प्लानिंग की जाना चाहिए। तमाम विशेषज्ञों की राय एक तरफ रखते हुए भवन निर्माण नियमों में ओपन टू स्काई का नियम लागू किया जा रहा है। यानी बड़े भवनों में एक निश्चित एरिया ओपन टू स्काई रखना होता है, लेकिन इसके साथ ओपन टू ग्राउंड का कंसेप्ट लागू होना चाहिए। इसमें जमीन पर किसी भी तरह के कंक्रीट की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसकी एवज में एफएआर (फ्लोर एरिया रेशो) बढ़ाया जा सकता है। लेकिन एक सच यह भी है कि शहर में भवन निर्माण में सबसे अधिक अनियमितताएं हो रही हैं। हर तीसरा भवन गलत बनाया गया है। आधे से अधिक बहुमंजिला भवनों में तो पार्किंग ही नहीं हैं। तो फिर काहे की भवन निर्माण अनुमति? और काहे के नियम?

डा. शर्मा की मानें तो मिट्टी की प्रकृति के हिसाब से पॉश इलाके चूनाभट्टी में 65 प्रतिशत निर्माण की अनुमति होनी चाहिए थी, क्योंकि यहां चूना मिट्टी है। ये मिट्टी 70 से 75 प्रतिशत पानी सोख सकती है, लेकिन ये इलाका 90 प्रतिशत से ज्यादा कांक्रीट हो चुका है। पाश इलाके के नाम पर यहां जमीनों का भी खूब खेल हुआ है। आधे निर्माण अवैध हैं और थे, लेकिन वो सब वैध हो चुके हैं। मकानों में ओपन स्पेस के नाम पर केवल फ्रंट में खुला छोड़ा है और उसमें भी टाइल्स या पेविंग ब्लॉक लगाए हैं। शुरुआत में यहां 5 फीट बोरिंग पर पानी मिल जाता था, अब 75 फीट से पहल नहीं मिलता। अरेरा कॉलोनी में 15 साल पहले तक स्थिति काफी अच्छी थी, लेकिन अब 80 प्रतिशत तक कांक्रीट हो गया है।

कुल मिलाकर हम अपने ही शहर का अनियोजित विकास करके अपने ही पांव में कुल्हाड़ी मार रहे हैं। यह भी कह सकते हैं कि कुल्हाड़ी पर पांव मार रहे हैं। शहर में बढ़ती आबादी के कारण वाहनों की संख्या में बेतरतीब बढ़ोत्तरी हुई है। एक तरफ हम भूगर्भीय जल खोते जा रहे हैं, दूसरी तरफ वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा बढ़ाते जा रहे हैं। सैकड़ों साल पुराने पेड़ काटकर कनेर और ऐसे अनेक पौधे लगा रहे हैं, जो देखने में तो हरियाली का स्वरूप हैं, लेकिन उनका कोई खास लाभ हमें मिल नहीं पा रहा है। न तो फल मिल रहे हैं और न ही वायुमंडल की कार्बन डाई आक्साइड में कमी ला पा रहे हैं। और पौधा रोपण भी पचास प्रतिशत से ज्यादा सफल नहीं हो पा रहा है।

कहने को राजधानी में शहरी नियोजन के ढेर विशेषज्ञ हैं। राष्ट्रीय स्तर का संस्थान भी है। मैनिट जैसे संस्थान में भी विशेषज्ञ तैयार हो रहे हैं। लेकिन मजाल है कि भोपाल को इनका लाभ मिल जाए। कोई आगे आता है, तो उसे पीछे कर दिया जाता है। सलाह कागजों पर ली जाती है और काम एक गठजोड़ ही करता है। तभी तो बीस साल होने को आए, भोपाल का मास्टर प्लान तक नहीं आ पाया है। पिछले दस सालों से मास्टर प्लान बन रहा है। उसमें संशोधन और सुधार हो रहे हैं। लेकिन लागू नहीं हो पा रहा है। कहीं किसी की जमीन रह जाती है तो कहीं किसी के स्वार्थ सिद्ध नहीं हो पाते। भू माफिया के आगे जैसे शासन-प्रशासन नतमस्तक है। हर मामले में खानापूर्ति हो रही है, मास्टर प्लान के मामले में वो भी नहीं। वैसे भी मास्टर प्लान कुछ मुट्ठी भर लोगों के लिए ही तो आता है। बाकी को इसके नाम पर ठगा या लूटा ही जाता है।

इस मामले में सबसे दुखद पहले भोपालवासियों की संवेदनहीनता है। शहर के प्रति अपनेपन का अभाव है। नागरिक कर्तव्य बोध अस्त सा लगता है। हम अपनी ही मुसीबत खुद बुलाने में माहिर हो गए हैं। जब तक शहर के प्रति अपनापन नहीं होगा, कुछ नहीं होगा। सरकार

और प्रशासन उन्हीं लोगों की सुनता है, जो सुनाने में सक्षम होते हैं। हम कुछ लिख देंगे। कुछ लोग पढ़ लेंगे। न शासन के कानों पर जूं रेंगना है, न अवाम को जागना है। फिर भी प्रयास करना अपना काम है। शायद कहीं चिंगारी को हवा मिल जाए। अभी भी समय है जाग जाएं अपने शहर के लिए।

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी

सरकार के खिलाफ धीमी कांग्रेस, सक्रिय जयस निशाने पर

अरविंद तिवारी

गजेन्द्रसिंह पटेल और सुमेरसिंह सोलंकी जैसे आदिवासी सांसदों के साथ ही संघ के सिपाही डॉ. निशांत खरे और लक्ष्मणसिंह मरकाम की मदद से मालवा-निमाड़ की आदिवासी सीटों पर भाजपा को मजबूत करने में लगे मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के लिए मालवा क्षेत्र में आदिवासी युवती की संदिग्ध मौत और फिर फायरिंग में आदिवासी युवक की जान गंवाने का मामला परेशानी में डालने वाला हो सकता है। दरअसल इस मामले में कांग्रेस से ज्यादा उग्र तेवर जयस के हैं और घटना के बाद से ही जिस तरह से जयस से जुड़े आदिवासी युवकों ने गांव-गांव में मोर्चा संभाल लिया है, वह अच्छा संकेत नहीं है। ये लोग सीधे भाजपा को निशाने पर ले रहे हैं और यह जंचाने में कोई कसर बाकी नहीं रख रहे हैं कि यह आदिवासी विरोधी सरकार है। कुछ ऐसा ही सीन 2018 के चुनाव के पहले निर्मित किया गया था।

मध्यप्रदेश के चुनाव: चर्चा में आप, ओवैसी और जयस

मध्यप्रदेश में इन दिनों आप, ओवैसी और जयस की बड़ी चर्चा है। आप और जयस ने मध्यप्रदेश में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है और असदउद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम भी अपनी गतिविधियों को विस्तार देने में लगी है। आप का जोर शहरों पर है, तो जयस आदिवासी क्षेत्रों पर अपनी पैठ को मजबूत करने में लगी है। ओवैसी के निशाने पर मध्यप्रदेश के वे तमाम कस्बे और शहर हैं, जहां अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी है। आप के दिग्गज कांग्रेस और भाजपा के उन नेताओं के संपर्क में भी हैं, जिन्हें दोनों पार्टियों में तवज्जो नहीं मिल रही है। जयस भाजपा को ज्यादा नुकसान पहुंचाने की स्थिति में है तो ओवैसी की बढ़ती सक्रियता कांग्रेस के लिए परेशानी का कारण।

कमलनाथ का फार्मूला: सक्रिय हैं सरकार के सूरमा

मध्यप्रदेश में कांग्रेस के कर्णधार कमलनाथ का नया फार्मूला राजनीतिक हलकों में चर्चा में आ ही गया। कांग्रेस के साथ ही भाजपा में भी इसकी चर्चा है। कांग्रेसी जहां इससे उत्साहित हैं, वहीं भाजपाई यह सोच रहे हैं कि आखिर किस आधार पर कमलनाथ हर फोरम पर बहुत दमदारी से यह बात कह रहे हैं कि बस

छ- महीने और रुक जाइए, मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी और हम आपकी समस्याओं का निदान कर देंगे।

विधानसभा में वे भाजपा के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में ये बात कह गए, नरसिंहपुर में उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए इसे आगे बढ़ाया और अब तो हर जगह इसे दोहराते नजर आ रहे हैं। सरकार के सूरमा नाथ खेमे में सेंध लगाकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर क्या राज है इसके पीछे।

आनंद राय की मुखरता और रंजना बघेल के तीखे तेवर

यूं तो आनंद राय की सोशल मीडिया पर सक्रियता के चलते कई लोगों से उनका विवाद होता रहता है। लेकिन जिस अंदाज में पूर्व मंत्री रंजना बघेल ने डॉ. राय के खिलाफ मोर्चा खोला, वह कम चौंकाने वाला नहीं है। खुद को लेकर एक फेसबुक पोस्ट के बाद बघेल डॉ. राय के घर जा धमकी और तीखे तेवर दिखाते हुए न जाने क्या-क्या कह डाला, जिसकी उम्मीद राय को सपने में भी नहीं रही होगी। जब राय की डॉक्टर पत्नी ने बघेल से संवाद शुरू किया तो वे न केवल बरसते हुए बोलीं बल्कि यह भी कह गईं कि कल फिर आती हूं और आपके पति से सामने बैठकर ही बात करूंगी। इस विवाद का अंत कुछ भी, लेकिन फिलहाल तो गर्दिश में चल रही बघेल के नंबर शिवराज के दरबार में बढ़ ही गए हैं।

इनकी भव्य भगवा यात्रा और उनका रंगारंग होली मिलन

संघ से भाजपा में आए नानूराम कुमावत ने जिस अंदाज में गुढ़ीपड़वां के पहले जिस अंदाज में शहर को भगवामय कर दिया, उससे कइयों का चौंकना स्वाभाविक है। कुमावत का यह आयोजन पार्टी के भीतर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। उनकी संस्था पुरुषार्थ ने शहर को भगवा झंडों से पाट दिया और हजारों वाहनों का काफिला लेकर 21 किलोमीटर लंबी रैली निकाली उससे यह तो स्पष्ट हो ही गया कि कुछ भी हो संघ के इस सिपाही के दावे को इंदौर पांच विधानसभा क्षेत्र में नजरअंदाज करना मुश्किल हो। कांग्रेस में अमन बजाज का होली मिलन समारोह भी यह संकेत तो दे ही गया कि बजाज खेलेंगे नहीं तो खेल बिगाड़ेंगे की स्थिति में तो आ ही गए हैं। यह आयोजन कांग्रेस के नेताओं को एक प्लेटफार्म पर खड़ा तो कर ही गया।

तो अब मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति में भी राजनीति

देश की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित हिन्दी संस्था मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति में हुआ प्रधानमंत्री का चुनाव शहर और प्रदेश ही नहीं पूरे देश में चर्चा का विषय बन गए। इस अहम पद के लिए जिस तरह आपसी खींचतान मची और मतदान की नौबत आई उससे समिति की छवि प्रभावित हुई। कई वरिष्ठ साहित्यकार नाराज और दुःखी हैं। प्रोफेसर सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी के निधन से प्रधानमंत्री पद खाली होने पर अनेक दावेदार उभर आए। आखिरकार तीन लोग चुनाव लड़ लिए। सभापति सत्यनारायण सत्तन इन हालातों से खुद बहुत दुःखी और नाराज बताए जा रहे हैं। संघ के नजदीकी माने जाने वाले अरविंद जवलेकर प्रधानमंत्री का चुनाव जीते। उन्होंने कशमकश भरे चुनाव में अरविन्द ओझा को मात्र एक वोट से हराया। इस चुनाव में वरिष्ठ साहित्यकार हरेराम वाजपेयी को मात्र पांच वोट मिलना भी चर्चा का विषय है।

सूची तैयार, बस जारी होने का इंतजार

कई एडीजी और आईजी बदले जाने के बाद अब सबकी नजर जल्दी ही आने वाली डीआईजी और एसपी की तबादला सूची पर है। हाल ही में डीआईजी बने कई आईपीएस अफसर रेंज में पदस्थ किए जा सकते हैं वही कई बड़े जिलों मैं नए एसपी देखने को मिलेंगे। सूची तैयार है बस जारी होने का इंतजार है। इंदौर में पदस्थ एक अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और 3 डीसीपी रेंज में डीआईजी और जिलों में एसपी के रूप में मौका पा सकते हैं।

चलते-चलते

भोपाल में पिछले दिनों हुए कांग्रेस के भीड़ भरे प्रदर्शन के बाद अब उस नेता को तलाशा जा रहा है, जिसने सभा स्थल पर माइक का बंदोबस्त किया था। इस आयोजन में खराब माइक व्यवस्था के कारण मंच से थोड़ी दूर बैठे लोग भी कमलनाथ सहित पार्टी के अन्य नेताओं की बात सुन ही नहीं पाए।

पुछल्ला

इंदौर में लंबी पारी खेलने के बाद हरिनारायणचारी मिश्र अब भोपाल के पुलिस कमिश्नर हो गए हैं। सुनो सबकी करो अपने मन की फार्मूले पर काम करने वाले मिश्र का यह टोटका इंदौर में तो चल गया, लेकिन भोपाल में कितना मददगार साबित होगा, यह तो वक्त ही बताएगा। मिश्र की सरलता,मिलनसारिता और सहज उपलब्धता को हमेशा याद रखा जाएगा। यह भी एक रिकार्ड ही है कि वे इंदौर में चार अलग-अलग पदों पर काम करने वाले एकमात्र पुलिस अफसर हैं।

बात मीडिया की

दैनिक भास्कर के स्टेट एडीटर पद से हटाकर दिल्ली भेजे गए अवनीश जैन जल्दी ही भास्कर समूह को गुडबाय कह सकते हैं। अवनीश भास्कर के प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले दो समूहों से अलग-अलग माध्यमों से संपर्क में हैं। भास्कर में उनके नजदीकी रहे संपादकीय टीम के कुछ लोगों पर भी प्रबंधन की गाज गिर सकती है।

दैनिक भास्कर का प्रतिष्ठा आयोजन

भास्कर उत्सव के पहले या दूसरे दिन इन दिनों बेहद चर्चा में चल रहे एक कथाकार का आयोजन हो सकता है। यह कथाकार इन दिनों इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सुर्खियों में हैं। इस आयोजन के आखिरी दिन भी एक बड़ा जश्न होगा। संभवत: शंकर महादेवन नाईट के रूप में। पहले पत्रिका और बाद में दैनिक भास्कर के स्टार रिपोर्टर रहे शैलेन्द्र चौहान जल्दी ही नई भूमिका में नजर आ सकते हैं। इन दिनों उनके भास्कर को अलविदा कहने की चर्चा बहुत जोर पकड़े हुए है। द सूत्र के इंदौर ब्यूरो का जिम्मा संभालते हुए वरिष्ठ पत्रकार संजय गुप्ता जिस अंदाज में काम कर रहे हैं, उसने कई अखबारों और न्यूज चैनल्स की परेशानी को बढ़ा रखा है। इंदौर से जुड़ी कई बड़ी खबरें पिछले दिनों द सूत्र पर ब्रेक हुई और यह सिलसिला अनवरत चल रहा है। इंदौर में टीम प्रजातंत्र की हिस्सा रहीं अमृत सिंह अब भास्कर डिजिटल से जुड़ गई हैं। वे भोपाल में भास्कर डिजिटल के स्पोर्ट्स सेगमेंट में सेवाएं देंगी।

सिस्टम में क्यों खत्म हो रही सुधार की इच्छा और क्षमता?

सरयूसुत मिश्रा

क्या ऐसा नहीं हो सकता कि अमृतपाल सिंह पंजाब में ही कहीं भेष बदलकर छिपा हुआ हो? जब सिस्टम खुले रूप से इस तरह का चकमा खा जाता है तो फिर छुपने के मामले में तो वैसे भी सिस्टम को कैसे पता चलेगा? मध्यप्रदेश में हायर सेकेंडरी की परीक्षाओं के पेपर लीक होने के मामले लगातार उजागर हो रहे हैं. सिस्टम की ओर से कहा जा रहा है कि पेपर लीक परीक्षा प्रारंभ होने के बाद हुए हैं इसलिए इसका परीक्षाओं पर कोई असर नहीं होगा।

परीक्षाओं और भर्तियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में पेपर लीक देश के सभी राज्यों में एक सक्सेसफुल व्यवसाय के रूप में स्थापित हो गया है. कोई राज्य ऐसा नहीं है जहां पेपर लीक की घटनाएं नहीं हो रही हों. जहां नहीं हो रही हैं या लीक होने की खबरें सामने नहीं आ रही है वहां भी यह मानना नासमझी होगी कि सब कुछ ठीक-ठाक हो रहा है।

प्रत्येक सिस्टम में सुधार की अंतर्निहित व्यवस्था होती है. किसी भी सिस्टम में सुधार की यह व्यवस्था अगर समाप्त हो जाती है तो सिस्टम को मरने से कोई भी नहीं बचा सकता है. सरकारों के गवर्नेंस सिस्टम में सुधार की इच्छा और क्षमता समाप्त सी हो गई लगती है. गवर्नेंस में सब चीजें लिखित होती हैं. इसलिए सिस्टम कैसे काम करेगा यह जानकार लोग अंदाज लगा सकते हैं. आजकल कुछ ऐसा हो रहा है कि गवर्नेंस में एक्सपेक्टेड लाइन पर कम ही चीजें होती दिखाई पड़ती हैं. अधिकांश चीजें अनएक्सपेक्टेड लाइन पर ही हो रही हैं।

पेपर लीक के मामले क्यों नहीं रोके जा पा रहे हैं? अभी हाल ही में राजस्थान में भर्ती परीक्षा के पेपर लीक हुए थे. मध्यप्रदेश में तो पेपर लीक होने के मामले समय-समय पर आते ही रहते हैं. सिस्टम क्या इनसे अनभिज्ञ रहता है? यह कैसे माना जा सकता है कि पेपर लीक मामलों में सिस्टम के लोग शामिल नहीं होते? मध्यप्रदेश के पेपर लीक मामले में तो कई केंद्र अध्यक्षों के खिलाफ कार्रवाई हुई है. गिरफ्तारियां भी हुई हैं. क्या ऐसी व्यवस्था नहीं की जा सकती कि पेपर लीक की संभावनाएं ही ना बचें।

सामान्य आदमी तो ऐसा मानता है कि बिना सिस्टम के इंवॉल्वमेंट के सिस्टम को ब्रेक करना किसी के भी बूते की बात नहीं होती. जब भी सिस्टम ब्रेक होता है तब यह माना जाता है कि निश्चित रूप से इसमें अंदर की व्यवस्था के सूत्र कहीं ना कहीं से शामिल हैं. यह कोई एक राज्य का मामला नहीं है, लगभग सभी राज्यों में एक जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

सिस्टम में जवाबदेही का भाव कम ही बचा है. केवल जिम्मेदारी को टरकाते रहना और अपनी सर्विस को सुरक्षित रखना एकमात्र मोटो बचा है. सीमावर्ती राज्यों में जहां विदेशी साजिशों का भी सामना करना पड़ता है वहां तो सिस्टम को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है.जम्मू-कश्मीर में ठग को जिस तरह की सुरक्षा और सुविधा दी गई है उससे वहां के सिस्टम में कमजोरियों को महसूस किया जा सकता है. आए दिन वहां विदेशों से देश विरोधी तत्व घुसते पाए जाते हैं. ऐसे में बहुत ठोंक बजा कर ही किसी को सुरक्षा के दायरे में रखा जाना चाहिए।

खालिस्तान के समर्थक अमृतपाल सिंह को ऐसी स्थितियां निर्मित करने का मौका ही क्यों दिया गया? जब उसके द्वारा थाने पर हमला कर अपने साथी को छुड़ाया गया था उसके बाद से उस पर कार्यवाही में इतना विलंब क्यों किया गया? पंजाब में इसके पीछे सियासत होने की भी चर्चाएं हैं. सियासत में वित्तीय समर्थन और सहयोग लेते समय यह नहीं देखा जाता कि देने वाले का इसके पीछे उद्देश्य क्या है? एक बार जब किसी से वित्तीय सहयोग ले लिया जाता है तो फिर उसके नैतिक और अनैतिक कामों में समर्थन करना मजबूरी बन जाता है. अमृतपाल सिंह के मामले में जन धारणा पर अगर यकीन किया जाए तो ऐसा ही हुआ है।

सिस्टम चलाने वाले जन-धन से सत्ता की सियासत करने में व्यस्त हैं. व्यस्तता में कोई कमी नहीं है. जिम्मेदारों से कोई आम आदमी मिलना चाहे तो बहुत मुश्किल से ही मिलना हो सकता है. सिस्टम में छोटे से अधिकारी-कर्मचारी से भी मुलाकात चुनौती से कम नहीं होती. मस्त सिस्टम अपना समय व्यतीत कर रहा है. सिस्टम के नियंत्रक जब सुधार में अपने को अक्षम और असहाय महसूस करते हैं तो फिर विकल्पों पर बात शुरू कर देते हैं. उनका भी उद्देश्य यही होता है कि तरह तरह के विकल्प सामने लाकर किसी तरह से ज्यादा से ज्यादा समय सत्ता सुख में व्यतीत किया जा सके. चुनाव के समय बेरोजगारों को भत्ता और महिलाओं को नकद राशि देने की योजनाएं इसी उद्देश्य से लागू की जाती हैं।

इंसानी शरीर भी यदि अंतर्निहित सिस्टम से नए सेल्स जनरेट करने में अक्षम हो जाता है तो फिर शरीर का नष्ट होना सुनिश्चित हो जाता है. ऐसी ही स्थिति सरकारी सिस्टम की भी है. सरकारी सिस्टम अन्तर्निहित सुधार की प्रक्रिया के अंतर्गत स्वाभाविक रूप से सुधार की क्षमता अगर निर्मित नहीं करता तो विकल्प से सिस्टम को बहुत लंबे समय तक बेहतर बनाए रखना संभव नहीं हो सकता. दलीय व्यवस्था में किसी एक दल को या किसी एक व्यक्ति को दोष देने से काम नहीं चलेगा लेकिन व्यवस्था में सुधार की आज चरम जरूरत है।

इसलिए ज़रूरी है, अडानी मामले में संयुक्त संसदीय समिति

-राकेश दुबे

24 जनवरी, 2023 से 22 मार्च 2023 आ गई, सेबी का मौन नहीं टूटा है। भारतीय पत्रकार और सांसद सवाल उठा रहे हैं कि आखिर क्यों सेबी मॉरीशस की उन फंड कंपनियों की कुंडली नहीं निकाल सका है जिन्होंने सिर्फ, और सिर्फ अडानी समूह के शेयरों में निवेश किया? आखिर क्यों सेबी को नहीं दिखा कि अडानी समूह कथित तौर पर उसके इस दिशानिर्देश का उल्लंघन कर रहा है कि एक सूचीबद्ध कंपनी के लिए 25 प्रतिशत शेयर आम लोगों के लिए रखना जरूरी है? हकीकत यह है कि उसके केवल 2-3 प्रतिशत शेयर ही आम लोगों के लिए हैं। हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट ने बताया कि किस तरह संदिग्ध शेल कंपनियों और भारत में सूचीबद्ध अडानी समूह की कंपनियों के बीच संदिग्ध लेनदेन हुआ, इन शेल कंपनियों ने समूह की कंपनियों में मोटा निवेश किया और समूह की कंपनियों पर भारी-भरकम कर्ज है। इसका नतीजा यह हुआ कि इस रिपोर्ट के बाद शेयर बाजार में कत्लेआम मच गया।

हिंडनबर्ग की जिस रिपोर्ट ने अडानी समूह के शेयरों को जमीन सुंघा दी, उसमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) पर भी तल्ख टिप्पणियां की गई हैं। हिंडनबर्ग ने इसमें कहा है कि 'ऐसा लगता है कि सेबी की दोषियों को सजा देने की जगह उन्हें बचाने में ज्यादा दिलचस्पी है।'सेबी के दिशा-निर्देशों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को अंतिम लाभकारी मालिकों (यूबीओ) और वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों के नाम नियामक को देना जरूरी है। लेकिन सेबी द्वारा उपलब्ध कराई गई और केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री द्वारा साझा की गई सूची से पता चलता है कि अडानी समूह की कंपनियों में अपना ज्यादा पैसा लगाने वाले कुछ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) यूबीओ की पहचान छिपाने के लिए प्रॉक्सी का उपयोग कर रहे थे।

सांसद महुआ मोइत्रा ने अडानी समूह में निवेश किए गए एफपीआई के अंतिम लाभकारी मालिकों की जानकारी मांगी तो केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने 19 जुलाई, 2021 को जवाब में किसी पूर्व निवेश बैंकर से राजनेता बने व्यक्ति की बात की। महुआ ने यह भी पूछा था कि क्या इस एफपीआई, अडानी समूह की कंपनियां और विशेष रूप से मॉन्टेरोसा समूह और इससे संबंधित लोग (एलेस्टेयर गुगेनबुहल-इवेंस, एरिक विडमर, मार्टिंडे क्लेवेन, फ्लोरियन लिनर) भारतीय प्रवर्तन एजेंसियों की किसी जांच का सामना कर रहे हैं? तो मंत्री ने इसके जवाब में कहा कि सेबी और डायरेक्टरेट एंड रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) कुछ ऐसे एफपीआई की जांच कर रहे हैं जिन्होंने केवल अडानी समूह में निवेश किया है। जवाब में यह भी बताया गया कि आयकर विभाग द्वारा किसी भी जांच विवरण का खुलासा आयकर अधिनियम, 1961 के तहत निषिद्ध है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आरोपों की जांच नहीं कर रहा।

मंत्री के जवाब में सेबी से प्राप्त 84 पन्नों का अनुलग्नक शामिल था और इसमें उन एफपीआई के नामों का जिक्र था जिन्होंने अडानी समूह की छह सूचीबद्ध कंपनियों (अडानी टोटल गैस, अडानी पावर, अडानी पोर्ट्स और विशेष आर्थिक क्षेत्र, अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी ट्रांसमिशन) में निवेश किया था। इसके अलावा कागजात में अंतिम लाभकारी मालिक या अंतिम लाभकारी मालिक की जानकारी न होने की स्थिति में फंड के वरिष्ठ अधिकारी के नाम की पहचान नहीं की गई थी।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों, नामित डिपॉजिटरी प्रतिभागी और योग्य विदेशी निवेशक के लिए सेबी का दिशानिर्देश कहता है कि 'लाभार्थी स्वामी (बीओ) वे प्राकृतिक व्यक्ति हैं जो अंतत: एफपीआई के मालिक हैं या उसे नियंत्रित करते हैं और जिन्हें धन-शोधन निवारण (अभिलेख रखरखाव) नियम, 2005 के नियम 9 के अनुसार पहचाना जाना चाहिए ...'। दिशानिर्देशों में इस बात का भी जिक्र है कि 'अगर कंपनियों/ट्रस्टों का प्रतिनिधित्व वकील/एकाउंटेंट जैसे सेवा प्रदाता कर रहे हों तो एफपीआई उन कंपनियों/ट्रस्टों के वास्तविक मालिकों/प्रभावी नियंत्रकों की जानकारी उपलब्ध कराए। यदि बीओ मतदान अधिकार, समझौते, किसी अन्य व्यवस्था जैसे माध्यमों से नियंत्रण करता है, तो उसके बारे में भी बताया जाना चाहिए। यह स्पष्ट किया जाता है कि बीओ किसी अन्य व्यक्ति का नॉमिनी नहीं हो सकता और वास्तविक बीओ की पहचान की जानी चाहिए।'

अब सवाल यह है क्या सेबी एफपीआई के मामले में अपने ही दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है? क्या अडानी समूह के मामले में सेबी ने अपने नियमों का पालन किया? नियामक के रुख से पता चलता है कि या तो उसने परवाह नहीं की या उसने एफपीआई को केवल अडानी समूह में निवेश करने के मामले में बिल्कुल खुली छूट दे दी।स्वतंत्र जांच से पता चला है कि सेबी की सूची में जिन लोगों के नामों का जिक्र है, वे इन एफपीआई के अंतिम लाभार्थी मालिक या वास्तविक फंड मैनेजर नहीं हैं। ये सभी बिचौलियों द्वारा नियुक्त प्रॉक्सी थे जो गुमनाम निवेशकों को अपारदर्शी कंपनियों और फंडों के माध्यम से अपना धन छिपाने में मदद करते थे। उनमें से कई मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी के लिए कुख्यात टैक्स हैवन्स से अपारदर्शी फंड से जुड़े पाए गए हैं।

यह मानना मुश्किल है कि सेबी को इन तथ्यों की जानकारी नहीं थी। जुलाई, 2021 में वित्त राज्यमंत्री ने संसद को बताया था कि सेबी पहले से ही इन एफपीआई से जुड़े मामले की जांच कर रहा है और डीआरआई अडानी समूह के कुछ लेनदेन से संबंधित एक और जांच कर रहा है। सेबी के एक सूत्र ने दावा किया कि क्षेत्राधिकार के कारण नियामक की जांच रुक गई क्योंकि ये सभी फंड मॉरीशस या कुछ अन्य टैक्स हैवन में स्थित थे। सूत्र ने यह भी बताया कि उन टैक्स हेवन ने विवरण साझा करने से इनकार कर दिया या फिर सेबी को कोई जवाब नहीं दिया अगर यह सच है, तो नए सवाल खड़े होते है क्या सेबी निदेशक मंडल ने केन्द्रीय वित्त मंत्रालय और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय को इसके बारे में जानकारी दी? डीआरआई की जांच का क्या हुआ? सरकार ने पहले जांच में तेजी क्यों नहीं लाई?

मई, 2022 में इस तरह की खबरें आईं कि होल्सिम से एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण में शामिल 17 विदेशी कंपनियों के मामले में सेबी ने अडानी समूह से जवाब तलब किया है। हर तरफ से यही जानकारी मिल रही है कि नियामक अब भी समूह की ओर से दिए गए जवाब की जांच ही कर रहा है। सेबी को जांच में इतना समय क्यों लग रहा है?

इन सवालों का जवाब सेबी या सरकार देगी, इसकी तो संभावना है नहीं। यही वजह है कि अडानी समूह के खिलाफ विभिन्न आरोपों की जांच एक संयुक्त संसदीय समिति से कराने की जरूरत महसूस हो रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

उप संचालक कृषि छतरपुर डॉक्टर बी पी सूत्रकार ने किया ओला प्रभावित ग्रामों का दौरा द्य भ्रमण किए गए ग्रामों में बंधा, गुणजनिया ,भोजपुरा, हरपुरा, वीरो,पिपरा, बमनी घाट , चमरौई तथा घिनौची शामिल है द्य इन गांव के भैरव अहिरवार, रामदयाल, गणेशा ,राम कुमार तथा शंकर लोधी से बातचीत की गई द्य फसलों में देखा गया कि गेहूं की फसल पूरी तरह विछ गई है, बालियां टूट गई हैं ,बाली लचक कर तेने से लगी हुई है तथा दाने झड़ गए हैं द्य कटी हुई फसल नीचे पड़ी है जो काली पड़ गई है द्य कई खेतों में पानी भर गया है तथा खेतों से बाहर बह रहा है द्य ऐसी हालत में हमारा अन्नदाता किसान बुरी तरह प्रकृति की मार से परेशान हैं द्य उप संचालक कृषि ने कृषकों को ढांढस बताते हुए कहा कि शासन के द्वारा आपके साथ उचित कार्यवाही की जावेगी द्य भ्रमण के साथ श्री जे पी मनिया प्रभारी वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी बड़ा मलहरा भी साथ में रहे ।

तत्कालीन 7 सरपंचों एवं 2 सचिवों के जेल वारंट जारी

शिवपुरी - जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी द्वारा जिले की ग्राम पंचायत के 7 तत्कालीन सरपंचों एवं 2 सचिवों को वसूली राशि वापस नहीं किए जाने के कारण जेल वारंट जारी किए है।

जारी निर्देशों के तहत तत्कालीन सरपंच एवं सचिव जो कि ग्राम पंचायत में सरपंच/सचिव की हैसियत से ग्राम पंचायतो का अभिलेख या धन अपनी अभिरक्षा में रखता है। जिन्हें लिखित सूचना दी गई है, परंतु संबंधित सरपंचों एवं सचिवों के द्वारा अभी तक धन वापस जमा नहीं किया गया। इनके द्वारा धन संदत्त करने से इंकार किया है। इस कारण संबंधित सरपंचों एवं सचिवों को 30 दिवस की कालावधि के लिये सिविल जेल मे परिरूद्ध किये जाने हेतु संबंधित जेलर को थाना प्रभारियों के माध्यम से कार्यालय द्वारा जारी पदमुद्रा जेल वारंट जारी किये गये है। इन ग्राम पंचायत के 7 सरपंचों एवं 2 सचिवों में जनपद पोहरी के ग्राम पंचायत भदेरा के तत्कालीन सरपंच बाइसराम चिढार एवं तत्कालीन सचिव हरीश बैरागी, ग्राम पंचायत ऐंचबाडा के तत्कालीन सरपंच ममता बैरागी, ग्राम पंचायत ऐंचबाड़ा तत्कालीन सरपंच अंतुराम, ग्राम पंचायत ऐंचबाडा तत्कालीन सरपंच अनीता बलोठिया एवं तत्कालीन, जनपद बदरवास के ग्राम पंचायत लालपुर सरपंच सविता बाई, ग्राम पंचायत रत्रौद की सरपंच धनियाबाई, जनपद पोहरी की ग्राम पंचायत कानाखेडी तत्कालीन सरपंच लच्छी परिहार तथा तत्कालीन सचिव पीतमलाल वर्मा शामिल है।

विवेकानंद जी के जीवन परिचय पर आठ दिवसीय शिविर प्रारंभ

बैरसिया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय बैरसिया के तत्वधान मैं ग्राम पंचायत जमूसर कलां बैरसिया में आठ दिवसीय शिविर आयोजित किया जा रहा है जिसमें विद्यालयीन शिक्षकों द्वारा स्वामी विवेकानंद के जीवन परिचय से शिविर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया जिसमें स्वामी विवेकानंद जी के द्वारा बताएं गए विचारों को छात्र छात्राओं को अपने जीवन में अपनाना चाहिए जिससे छात्र-छात्राएं सही मार्ग पर चल सके शिविर में शाला के प्रधानाध्यापक इंजिनुयूस कुजूर, श्रीमती प्रफुल्ला खल्खो, प्रदीप गोयल, साथ ही महाविधालय के प्रो. सिद्धार्थ जैन, प्रो. डॉ प्रीती गुप्ता राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) के छात्र छात्राएं सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए दल गठित

नरसिंहपुर, कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने मध्यप्रदेश शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के जिले में कुशल एवं सुचारू तकनीकी क्रियान्वयन के लिए क्षेत्रवार दल गठित कर नोडल एवं सहायक नो?डल अधिकारी नियुक्त किये हैं। ये दल अपने कार्य क्षेत्र में आने वाले सभी विकासखंड/ तहसील के तकनीकी कार्य सम्पादित करेंगे और आने वाली समस्याओं का निराकरण करना सुनिश्चित करेंगे। इस सिलसिले में कलेक्टर ने सम्पूर्ण जिले के लिए जिला प्रबंधक ई- गवर्नेंस श्री बृजकिशोर बादल, वरिष्ठ प्रशिक्षक ई- दक्ष श्री इंद्रेश यादव एवं प्रशिक्षक ई- दक्ष श्री राहुल सोनी को नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी बनाया है। इसी तरह अनु?भाग नरसिंहपुर के लिए समग्र सुरक्षा अधिकारी करेली, सहायक प्रबंधक ई- गवर्नेंस नरसिंहपुर व करेली, अनुभाग गाडरवारा के लिए समग्र सुरक्षा अधिकारी गाडरवारा, चीचली व साईखेड़ा तथा सहायक प्रबंधक ई- गवर्नेंस गाडरवारा, अनुभाग गोटेगांव के लिए समग्र सुरक्षा अधिकारी एवं सहायक प्रबंधक ई- गवर्नेंस गोटेगांव और अनुभाग तेंदूखेड़ा के लिए समग्र सुरक्षा अधिकारी चांवरपाठा एवं सहायक प्रबंधक ई- गवर्नेंस तेंदूखेड़ा को नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सभी मंदिरों के सीमांकन कराने एवं अवैध कब्जा हटाने के निर्देश

छतरपुर,। कलेक्टर संदीप जीआर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष छतरपुर में मंगलवार को धर्मस्व से जुड़े लोगों एवं मंदिरों के मुख्य पुजारियों तथा शहर के मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्षयों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एडीएम नमः शिवाय अरजरिया, एसडीएम विनय द्विवेदी भी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री जीआर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी मंदिरों एवं संलग्न जमीन के सीमांकन कराएं तथा अवैध कब्जे से मुक्त कराएं। उन्होंने कहा कि शासन संधारित मंदिर जो जीर्णशीर्ण व क्षतिग्रस्त हो चुके मंदिरों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कराया जाएगा। साथ ही पुजारियों के मानदेय को लेकर चर्चा हुई, ट्रस्ट या मंदिरों की संचालन समिति के द्वारा के कोई अनियमितता न हो तथा आय व्यय पंजी संधारित हो तथा मंदिरों का प्रबंधन व्यवस्थित सुचारू हो और गरिमामय ढंग से पुजारी कार्य कर सकें एवं श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा की गई।

रबी उपार्जन के लिये पंजीयन की अंतिम तिथि 24

छतरपुर,। रबी उपार्जन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए कृषक पंजीयन का कार्य की तिथि असामयिक वर्षा की दृष्टिगत बढ़ाते हुए 24 मार्च की गई है। जिला प्रशासन छतरपुर द्वारा किसान भाईयों से अपील की गई है कि ऐसे कृषक जिन्होंने अभी तक अपना पंजीयन नही कराया है, वह अपने नजदीकी पंजीयन केन्द्र, ग्राम पंचायत कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय, तहसील कार्यालय, एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र एवं साइबर कैके पर जाकर करा सकते है अथवा स्वयं एमपी किसान एप के माध्यम से भी कर सकते है। जिससे समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

रिलायंस रिटेल ने बैतूल में गुरुद्वारा रोड के किलेदार प्लाजा में स्मार्ट बाजार की शुरुआत की

बैतूल में अपने पहले स्टोर के लॉन्च के साथ, स्मार्ट बाज़ार ग्राहकों को बड़ी बचत और बेहतर खरीदारी का अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है

बैतूल। स्मार्ट बाजार, रिलायंस रिटेल के बड़े प्रारूप वाले सुपरमार्केट ने टैगोर वार्ड, गुरुद्वारा रोड, टी वी एस शोरूम के सामने, बैतूल में अपना पहला स्टोर लॉन्च किया है। स्टोर किराने, फलों और सब्जियों, डेयरी से लेकर बरतन, होमवेयर, परिधान, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स आदि से लेकर एक ही छत के नीचे उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करके वन-स्टॉप खरीदारी का अनुभव प्रदान करता है। इस स्टोर के लॉन्च के साथ, स्मार्ट बाजार नें अब बैतूल में उपस्थिति दर्ज की। बैतूल स्मार्ट बाजार स्टोर 15,000 वर्ग फुट से अधिक के शॉपिंग स्पेस में बनाया गया है, जो ग्राहकों को बड़ी बचत और बेहतर खरीदारी अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह ग्राहकों को एक ही छत के नीचे दैनिक आवश्यक वस्तुओं जैसे किराने का सामान, डेयरी उत्पाद, फल और सब्जियों से लेकर विशेष वस्तुओं और उपयोगिताओं जैसे होमवेयर, किचनवेयर, फुटवियर, परिधान और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर उत्पादों की एक विस्तृत विविधता प्रदान करता है। यह ग्राहकों को एमआरपी पर 5प्रतिशत तक की छूट और विशेष मौसमी ऑफर के साथ साल भर बचत के शानदार अवसर भी प्रदान करता है। स्टोर में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ, पर्सनल केयर, हेल्थकेयर, हाइजीन, फैब्रिक, होमकेयर और होम डेकोर जैसी श्रेणियों के ढेर सारे ब्रांड आकर्षक ऑफर्स पर उपलब्ध हैं। स्मार्ट बाजार में खरीदारी का विशेष लाभ यह है कि बड़ी खरीदारी से हमेशा अधिक बचत होती है। उदाहरण के लिए, 1,499 रुपये की न्यूनतम खरीदारी करने वाले ग्राहक को सिर्फ 9 रुपये/किलो में चीनी खरीदने का मौका मिलता है। अपने अच्छी तरह से सूचित ग्राहक सहयोगियों, कार्यात्मक डिजाइन और लेआउट और आकर्षक कीमतों पर गुणवत्ता वाले उत्पादों के साथ स्मार्ट बाजार उपभोक्ताओं का दिल जीतना और उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बनना जारी रखता है। रिलायंस रिटेल, अपने विभिन्न किराना प्रारूपों के साथ, हर दिन से लेकर विशेष अवसरों तक मूल्य सीमा में अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना जारी रखता है। ग्राहक पर अधिकतम ध्यान देने के साथ, स्मार्ट बाजार बड़े प्रारूप वाली सुपरमार्केट श्रेणी में अपनी व्यापक पेशकश और उपभोक्ता के साथ भौतिक निकटता के साथ श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ खरीदारी का अनुभव जारी रखता है।

शासकीय स्नातक महाविद्यालय में पोषण आहार पखवाड़ा के अंतर्गत हुए विभिन्न कार्यक्रम

नैनपुर। पोषण आहार पखवाड़े के अंतर्गत नैनपुर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। प्रथम दिवस कैप्टन डॉ राजेश मासतकर द्वारा फूड एंड न्यूट्रिशन पर विद्यार्थियों के समक्ष अपने विचार व्यक्त करते हुए न्यूट्रीशन का महत्व समझाए। कार्यक्रम की संयोजक डॉ ज्योति सिंह द्वारा इस कार्यक्रम का उद्देश्य व आवश्यकता को समझाते हुए इस पर जागरूकता लाने की बात बताई गई। द्वितीय दिवस 21 मार्च को डॉ ज्योति सिंह व राहुल विश्वकर्मा के निर्देशन छात्र छात्राओं द्वारा निवारी ग्राम के चकोर नदी की सफाई की गई। साथ ही वन दिवस के अवसर पर वनों की सुरक्षा, बचाव व पौधरोपण के प्रति जागरूकता लाने हेतु निवारी ग्राम में जागरूकता रैली निकाल कर पौधे बचाने, संरक्षित करने का संदेश दिया गया। 21 मार्च को ही कविता दिवस के उपलक्ष्य में कवि मोहन झारिया के द्वारा प्रकृति व पौधरोपण संबंधित कविताओं का पाठ किया गया फिर कविताओं के माध्यम से वृक्षों का महत्व बताया। छात्र पलाश भोर के द्वारा कविता का पाठ किया गया इसी दिन महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम राहुल विश्वकर्मा के संयोजन में डॉ ज्योति सिंह, डॉ कुलभूषण रजक और छात्र छात्राओं ने मिलकर पौधे लगाए और उन्हें पालन-पोषण करने का संकल्प लिया। सभी कार्यक्रमों में महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे

कलेक्टर ने जमीन पर बैठकर सुनी समस्या

धार. विकलांग बल मध्यप्रदेश की जिला इकाई धार द्वारा 16 मांगों को लेकर एक ज्ञापन दिया गया। इसमें विभिन्न मांगों के निराकरण की मांग की गई है। दि?यांग एक साथ कलेक्टोरेट पहुंचे और अपनी बात सुनाई। सबसे खास बात इस दौरान यह देखने को मिली कि दिव्यांग अपनी जिन परेशानियों को लेकर पहुंचे थे, उन तमाम परेशानियों को सुनने के लिए कलेक्टर प्रियंक मिश्रा पहुंचे और दिव्यांगों के साथ जमीन पर बैठ गए। जमीन पर बैठकर ही कलेक्टर मिश्रा ने उनकी बात सुनी और निराकरण का आश्वासन दिया।दरअसल मप्र के गुना जिले में निकाली जा रही दिव्यांग स्वाभिमान पदयात्रा के समर्थन में सरकार के नाम यह ज्ञापन धार में भी दिया गया। ज्ञापन में बताया दिव्यांगों को 5 हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन दी जाए। सभी विभागों में दिव्यांगों के रिक्त पदों को बैकलॉग भर्ती के जरीए भरा जाए। दिव्यांगों के लिए 5 लाख तक का लोन अनिवार्य रूप से दिया जाए। इसके लिए प्रत्येक जिले में एकल खिड़की की व्यवस्था हो। यदि दोनों दिव्यांग है तो 2 लाख और यदि एक दिव्यांग है तो 5 लाख रुपए दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन राशि दी जाए। जिला स्तर पर ऐसे दंपत्तियों को सम्मानित किया जाए ताकि दिव्यांग व्यक्ति से विवाह के प्रति समाज में एक सकारात्मक संदेश पहुंच सके। दिव्यांग अधिनियम 2016 व मप्र दिव्यांग नियम 2017 को धरातल पर लागू किया जाए। ज्ञापन में बताया कि सामाजिक न्याय व दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग से दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग को अलग किया जाए। पंचायत, नगरीय निकाय, विधानसभा व संसद के दोनों सदनों में दिव्यांगों को 5 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। दिव्यांगों के लिए आयुक्त व मुख्य आयुक्त के पद पर दिव्यांग व्यक्ति को ही नियुक्त किया जाए। आवासहिन दिव्यांगों के लिए पटटा वितरण कर आवास व शौचालय उपलब्ध कराया जाए। आउटसोर्स भर्ती में दिव्यांगों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य करने की मांग रखी। ज्ञापन में बताया दिव्यांगों के यूडीआईडी कार्ड को हर विभाग में व्यावहारिक रूप से लागू किया जाए। ग्रामीण शहरी अंचल में दिव्यांग खेल प्रतिभागों को आगे बढ़ाने के लिए निशुल्क खेल सामग्री व ट्रेनिंग सेंटर तहसील व जिला स्तर पर स्थापित करने की मांग की।

छतरपुर तहसीलदार की तानाशाही रवैया के खिलाफ वकीलों ने खोला, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष को अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। तहसीलदार छतरपुर सुनील वर्मा के तानाशाह रवैया के खिलाफ एवं कार्यप्रणाली से असंतुष्ट अधिवक्ताओं ने अपना विरोध प्रदर्शन एक कदम आगे बढ़ाया विदित है कि माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा अधीनस्थ न्यायालयों को 25 पुराने प्रकरणों के निराकरण हेतु आदेश जारी किया गया जिसके विरोध में अधिवक्ता संघ छतरपुर द्वारा दिनांक 13 मार्च से 26 मार्च तक अधिवक्ता न्यायालय कार्यों से विरत रहेंगे इसी क्रम में छतरपुर तहसील में पदस्थ छतरपुर तहसीलदार सुनील वर्मा की कार्यप्रणाली एवं तानाशाह रवैया से असंतुष्ट अधिवक्ताओं में दिनांक 13 मार्च को एकजुट होकर जिला अधिवक्ता संघ के बैनर तले एक ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर छतरपुर को दे दिया परंतु कलेक्टर छतरपुर के मुख्यालय में ना होने के कारण ज्ञापन संयुक्त कलेक्टर को दिया जिसमें संयुक्त कलेक्टर द्वारा अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया गया था कि सुनील वर्मा छतरपुर तहसीलदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी परंतु आज दिनांक तक जिला प्रशासन द्वारा अधिवक्ताओं की मांगों को नहीं माना गया तब अधिवक्ताओं ने तहसील प्रांगण में टेंट लगाकर अपना आक्रोश प्रकट किया तहसीलदार सुनील वर्मा द्वारा अधिवक्ताओं की हड़ताल के दौरान भी नामांतरण बंटवारा सीमांकन तरमीम की प्रकरणों का लगातार आदेश पारित किए जा रहे हैं तहसीलदार सुनील वर्मा द्वारा एक बटवारा प्रकरण जिसका क्रमांक 30/ड्ड-27/20-21 दिनांक 18/1/2023 दी गई तथा 8 जनवरी 2023 में बटवारा प्रकरण निरस्त कर दिया गया तहसील छतरपुर में नामांतरण हेतु बगोता हल्का एवं छतरपुर हल्का में सन 1939 -40 एवं सन 1943 - 44 की नकल मांगी जाती है जबकि ऐसा कोई आदेश वरिष्ठ अधिकारी द्वारा ना ही किसी अन्य न्यायालय द्वारा जारी किया गया है तहसीलदार के द्वारा जो नामांतरण प्रकरण सन 1939- 40 एवं सन 1943-44 को आधार मानकर नामांतरण प्रकरण निरस्त किए जाते हैं और अनुविभागीय अधिकारी छतरपुर द्वारा स्वीकार कर निराकृत हो रहे हैं छतरपुर तहसील में दो प्रकार के आदेश होना समझ से परे है कि एक अधिकारी नामांतरण को खारिज करता है तथा दूसरा अपील में स्वीकार कर प्रकरण का निराकरण करता है वक्ताओं ने आज तहसील परिसर में टेंट लगाकर तहसीलदार छतरपुर सुनील वर्मा को हटाने एवं तहसीलदार के भ्रष्टाचार में लिप्त होने पर जमकर नारेबाजी की विदित हो कि तहसील छतरपुर जिले सदर तहसील है जहां पर नायब तहसीलदार को तहसीलदार का प्रभार है तथा अनुविभागीय अधिकारी को नौगांव एवं छतरपुर अनुभाग का प्रभार है अनुभाग छतरपुर में तहसीलदार छतरपुर के न्यायालय में लंबित प्रकरणों की संख्या बहुतायत में हैं इस संबंध में आज पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह तहसील परिसर में उपस्थित हुए उन्होंने अधिवक्ताओं की मांगों के संबंध में एक ज्ञापन लिया और आश्वासन दिया की तहसीलदार की तानाशाही रवैया के संबंध में जो हड़ताल अधिवक्ताओं की जारी है उसका समाधान किया जाएगा !इस विरोध प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश दीक्षित ,ऋषि प्रकाश बिल्थरे ,रवि पांडे बीडी गुप्ता अरुण सक्सेना ,नरेंद्र खरे विनोद पाठक, उपकरण पटेल ,लक्ष्मी नामदेव सहित भारी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे

जिले के ओला प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराने के निर्देश

कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

नरसिंहपुर, कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। उन्होंने जिले में बेमौसम हुई बारिश एवं ओलावृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि राजस्व, कृषि विभाग के अधिकारियों की समिति गठित कर ओला प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुये नुकसान का तत्परता से सर्वे करायें।

बैठक में सुश्री बाफना ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि जो कॉमन सर्विस सेंटर ई- केवायसी, आधार लिंकिंग का कार्य नहीं कर रहे हैं, उनकी आईडी बंद करवाई जाये। इसके लिए शासन स्तर से कार्रवाई की जाये। उन्होंने बताया कि जिले में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से संबंधित फार्म भरने के लिए शिविर 25 मार्च से ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के वार्डों में आयोजित किये जायेंगे। शिविरों में फार्म पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराये जायें। शिविरों के संबंध में ग्राम कोटवार द्वारा पूर्व से मुनादी कराई जाये। आधार लिंकिंग एवं डीबीटी इनेबल्ड करने का कार्य जारी रहे। साथ ही ई- केवायसी कार्य में प्रगति लायें। यह कार्य दो दिन में पूर्ण कर लिया जाये।

कलेक्टर ने डीपीएम एनआरएलएम को निर्देशित किया कि स्वसहायता समूहों द्वारा प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के लिए उत्तम गुणवत्ता के कपड़े से ही गणवेश तैयार की जाये। कपड़े की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाये। गणवेश सिलाई के कार्य का निरीक्षण सीईओ जनपद अपने- अपने क्षेत्र में करें। गणवेश सिलाई की खराब गुणवत्ता पाये जाने पर संबंधित कपड़ा सप्लायर को ब्लैक लिस्टिड किया जाये। डीपीएम एनआरएलएम ने बताया कि समूहों के माध्यम से 1 लाख 14 हजार स्कूली बच्चों की गणवेश सिलाई का कार्य किया जाना है, जिसमें से अभी तक 8 हजार गणवेश की सिलाई कार्य पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण किये जाने पर जोर देने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने जनवरी माह में अनअटेंडेट शिकायतें रहने पर संबंधित अधिकारियों से जुर्माने की राशि जमा करवाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण में आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। मार्च माह 2023 के लक्ष्य के विरूद्ध ब्लॉक गोटेगांव एवं चीचली में आवास प्लस अंतर्गत पूर्ण कराये जाने में एवं आवास की जारी किश्तों में असंतोषजनक कार्य करने पर गोटेगांव एवं चीचली सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश बैठक में दिये। बैठक में समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के चयनित विषयों, लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों, सुगर मिलों द्वारा गन्ना किसानों को भुगतान एवं डग पॉण्ड व नहरों की साफ- सफाई के बारे में कलेक्टर ने जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये।

द्वारिकाधीश मंदिर में आयोजित होगा नौ दिवसीय राम जन्म महोत्सव

इटारसी// राम जन्म महोत्सव समिति द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर तुलसी चौक में 60 वे वर्ष में श्री राम जन्म महोत्सव का आयोजन 22 मार्च वुधवार से 30 मार्च गुरुवार तक होने जा रहा है। इस वर्ष श्री 1008 युवराज स्वामी रामकृष्णाचार्य 9 दिनों तक श्री रामचरितमानस भक्ति गंगा प्रवाहित करेंगे। आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक विधायक डॉक्टर सीतासरन शर्मा ,संरक्षक प्रमोद पगारे, अध्यक्ष सतीश अग्रवाल सांवरिया ,कार्यकारी अध्यक्ष जसवीर सिंह छाबड़ा ,सचिव अशोक शर्मा एडवोकेट, कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा एवं पूरी समिति के द्वारा आयोजन को भव्यता के साथ मनाने के लिए सभी तैयारियां कर ली गई है।रामकथा प्रतिदिन साय काल 7ः00 से रात्रि 10ः00 बजे तक होगी। प्रत्येक वार्ड से श्रद्धालु माता बहने एवं भाई राम कथा को सुनने के लिए आए ऐसा अनुरोध सभी से है। मंदिर में प्रतिदिन सत्संग भवन में दोपहर 1ः00 बजे से श्री रामचरितमानस के नव्हांन पारायण प्रतिदिन होंगे। नव्हांन पारायण के लिए श्रद्धालु एवं रामायण मंडल सादर आमंत्रित है। 30 मार्च गुरुवार को राम कथा प्रातः 9ः00 बजे से 11ः00 बजे तक होगी एवं उसके पश्चात ठाकुर द्वारकाधीश की प्रतिमा के समक्ष श्री राम जन्म महोत्सव होगा। ठाकुर द्वारिकाधीश रामनवमी के दिन धनुर्धारी राम बनेंगे ।उसी दिन विशाल शोभायात्रा साय काल 5ः00 बजे श्री द्वारकाधीश बड़ा मंदिर से प्रारंभ होगी जो बाजार के मुख्य मार्गो से होते हुए वापस मंदिर परिसर में समाप्त होगी। आयोजन समिति की ओर से संरक्षक प्रमोद पगारे ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि हमारे आराध्य देव प्रभु श्री राम के नौ दिवसीय श्री राम जन्म महोत्सव मैं अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धार्मिक लाभ प्राप्त करें।

बरेली नगर के हर बूथ पर अभियान 2.0 की बैठक हो रही संपन्न, मंडल अध्यक्ष अभिषेक राजपूत पहुँच रहे हर बूथ पर

बरेली 7 बूथ विस्तार अभियान 2.0 भाजपा द्वारा चलाया जा रहा है। इसी के तहत 140 उदयपुरा विधानसभा भारतीय जनता पार्टी मंडल बरेली नगर के बूथों पर बूथ समिति एवं पन्ना समिति बूथ विस्तार अभियान 2.0 की बैठक संपन्न हो रही है इस अभियान के तहत कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंच कर पार्टी को मजबूत करने का कार्य कर रहा है नगर मंडल बरेली नगर के बूथ क्रमांक 70 ,71, 74 ,75 एवम् बूथ क्रमांक 92 पर बूथ समिति एवं पन्ना समिति बूथ विस्तार अभियान 2.0 की बैठक संपन्न हुई जिसमें भाजपा जिला मंत्री संतोष राय, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अभिषेक राजपूत , मंडल उपाध्यक्ष हरिश्चंद राजपूत, मनोज भार्गव, मंडल महामंत्री पप्पू मेहरा शक्ति केंद्र के प्रभारी प्रकाश राय , बूथ अध्यक्ष, सत्यपाल राजपूत , हरिचरन बरीबा, नारायण मेहरा, दिनेश सोनी, रणधीर चोधरी, विशु बाला सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता सम्मिलित हुए 7 बरेली नगर मंडल अध्यक्ष अभिषेक राजपूत ने कहा कि पूरे प्रदेश में भाजपा का बूथ सशक्तिकरण का अभियान चल रहा है इसमें कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची की पन्ना समिति तक जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

NOTICE
Uls. lw OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT,1973

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म ओफिस प्रोडक्सन्स पंजीयन क्रमांक 01/01/01/0144/16 दिनांक 04/08/2016 की पंजीकृत भागीदारी फर्म है। जिसका पता 26, पिकनिक रेस्टोरेंट डिपो चौराहा भोपाल। जिसकी रचना में दिनांक 07/02/2023 को परिवर्तन का लिया गया है। जिसमें भागीदार क्रमांक 02 नासिर खान पिता मासुक खान ने, अपना पूर्ण हिस्सा लेकर स्वेच्छापूर्वक सेवानिवृत्त होने की इच्छा प्रकट की है तथा श्रीमती ऊषा गोयल आत्मजा श्री विसंभर सहाय फर्म में सम्मिलित हो रही हैं।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 624 ज.सं./भो.वि.प्रा./ 22 भोपाल, दिनांक 21/03/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना में स्थित भवन क्रमांक 168 सेक्टर 2 सी श्रीमती शैफाली सरकार पत्नी स्व.श्री एस.सी. सरकार के नाम अंकित है। आवंटी श्रीमती शैफाली सरकार का स्वर्गवास दिनांक 03.07.2021 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस श्रीमती राखी दास श्रीमती रुमू साहा एवं श्रीमती ईलादास गुप्ता पुत्री स्व.श्री एस.सी. सरकार द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाा पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम पर चाहा है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

गेंहू और चना के बीच की जा रही थी गांजे की खेती, पकड़ा

शिवपुरी - जिले के सीहोर थाना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पुलिस ने गांजे की खेती को जब्त किया है। पुलिस ने खेत मालिक के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस की कार्रवाई की सूचना मिलते है खेत मालिक फरार हो चुका है।

सीहोर थाना प्रभारी मुकेश दुबोलिया ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि ग्राम कालीपहाड़ी के रहने वाले धनीराम रावत ने अपने खेत में गांजे की खेती कर रखी है। पहले हमने जानकारी जुटाई जिसमें गांजे की खेती होना पाया गया। खेत मालिक ने बड़ी ही चतुराई से गेहूं, धान व चने के बीचों बीच गांजे की खेती कर रखी थी।

पुलिस ने सोमवार को धनीराम के खेत पर दबिश दी थी। खेत में फसल के बीच बड़े पैमाने पर गांजे के पेड़ खड़े हुए थे। पुलिस ने पूरे खेत में से गांजे के पेड़ों को छांट-छांट कर उखाड़ना शुरू किया तो गांजे के पेड़ों की संख्या 350 निकली। पुलिस ने गांजे के सभी पेड़ों को जब्त कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। प्रथम दृष्ट्या पुलिस ने धनीराम रावत के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण कायम कर लिया है।

थाना प्रभारी मुकेश दुबोलिया का कहना है पुलिस अभी यह जानकारी जुटाने में लगी है कि जमीन किसके नाम पर है। इसके अलावा गांजे की इस खेती में और कौन-कौन उसके सहयोगी रहे हैं इसका भी पता किया जा रहा है। इस पूरे मामले की पड़ताल में पुलिस जुटी हुई है।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION BHOPAL
Lake Conservation Cell
NOTICE INVITING TENDER

No. 11/ LCC./BMC/2022-23 Bhopal Dated: 16.03.2023

Online Percentage rate Tender are inviting from the appropriate class of contractors registered in office of the Govt. of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for the following works so as to be submitted bid online. The tender documents can be obtained online on the website http://mptenders.gov.in as per the Key Dates.

Corrigendum for this NIT shall not be issued separately in newspapers. Corrigendum regarding correction can be seen on the website. Detailed NIT and other information can be seen on the website https://www.mptenders.gov.in

S. No.	System . NIT No	Details of Work	Estimated Cost In Rupees
1.	2023_UAD_ 260972_1	Providing and fixing of rolling shutter at landiya Lake under Lake Conservation Cell. Estimate is Based on MPUADD Building SOR 2021	Rs. 3,80,795.00

T:N:1841/022/023

Rakesh Kumar Gupta
Executive Engineer
Lake Conservation Cell Municipal Corporation, Bhopal

सृष्टिरूपा दस महाविद्याएं शक्तितत्व रहस्य

पंडित पीएन भट्ट

यह विश्व शक्तिमय है। विश्व के अतिरिक्त भी जो कुछ सत्ता है, वह भी शक्ति है। शक्ति ही जड़ और चेतन दोनों हैं - ब्रह्म, जीव और माया तीनों हैं। शक्ति ही परात्पर है। शक्ति ही भगवती है, शक्ति ही भगवान है। शक्ति ही शक्तिमान है। शक्ति और शक्तिमान में अन्तर नहीं है। जो कुछ है शक्ति है जो कुछ नहीं है वह न होना भी शक्ति ही है। आइये जानते हैं आज की कवर स्टोरी में बसंत नवरात्र में मां आद्यशक्ति की आराधना, शक्ति तत्व का रहस्य।

योगवासिष्ठ महारामायण भारतीय अध्यात्म शास्त्रों में एक उच्च कोटि का ग्रंथ है। विद्वतजनों की ऐसी मान्यता है कि चारों वेदों के अध्ययन मनन के बाद योग वासिष्ठ के अर्थ को समझना ज्यादा सटीक होगा। योग वसिष्ठ में भगवान राम और उनके गुरू वसिष्ठ जी के मध्य संवाद है। भगवान राम, गुरू वसिष्ठ जी से पूछते हैं, हे गुरूदेव ! क्या आप सरीखे गुरू वसिष्ठ और मुझ सरीखे राम इस धरा पर पूर्व में भी जन्मे हैं ? गुरूदेव वसिष्ठ जी ने कहा है राम ! जिस तरह समुद में लहरे उठती हैं और मिट जाती है, उसी प्रकार 14 राम और 14 वासिष्ठ इस धरा पर पूर्व में भी जन्में हैं। इसी ग्रंथ में वासिष्ठ जी कहते हैं, हे राम ! वह अनादि स्पन्द शक्ति प्रकृति, परमेष्वर षिव की इच्छा जगत-माता आदि के नाम से विख्यात हैं। सृष्टि का कारण होने से वह प्रकृति और अनुभूत दृष्य पदार्थों के उत्पादन करने से वह क्रिया कहलाती है। इस महाषक्ति के दूसरे नाम शुष्का, चण्डिका, उत्पला, जया, सिद्धा, जयन्ती, विजया, अपराजिता, दुर्गा, उमा, गायत्री, सावित्री, सरस्वती, गौरी, भवानी और काली आदि भी हैं।

माता का गुरुत्व

- मातृ देवों भव, पितृ देवों भव, आचार्य देवो भव ।

- मातृवान, पितृ मानाचार्यवान् पुरूषो वेद।।

मंत्रों में माता का स्थान सबसे पहले दिया गया है। इसका भी यही कारण है कि माता ही आदि गुरू है और उसी की दया और अनुग्रह से बच्चों का ऐहिक पारलौकिक और पारमार्थिक कल्याण निर्भर रहता है। सनातन वैवाहिक मंत्र- %%सम्राज्ञी भव हमारे वैवाहिक मंत्रों से ही स्पष्ट है कि स्त्री को अपने पति के घर में सर्वोत्तम अधिकार दिया जाता है, क्योंकि विवाह करने वाला पुरूष अपनी पत्नि से कहता है- %%सम्राज्ञी भव''। अर्थात ,मेरे घर की रानी, महारानी नहीं बल्कि सम्राज्ञी अर्थात सर्वाभौमिक चक्रवर्तिनी बनो। %% इसी से स्त्री को अपने पति के घर में कोई हीन पदवी नहीं मिलती, बल्कि सर्वोत्तम पदवी ही मिलती है।

अंतिम आश्रय- जगन्माता - जो जगन्माता - न केवल साधारण रेषु सर्वेषु, सुप्तेषु जागर्ति अपि तु सुप्तेपि जगन्नाथे जागर्ति %% अर्थात साधारण सब जीवों के ही नहीं, बल्कि जगत्पिता के सोते रहने पर भी जो अपने बच्चों की रक्षा और कल्याण के लिए दिन-रात सदा-सर्वदा जागती रहती है, जिसका इसी प्रसंग के कारण चण्डीपाठ सप्तषती के एक ध्यान श्लोक में वर्णन है- %%यामस्तौत्सवपिते हरौ कमलजो हन्तुं मधुं कैटभम। और जिसको शंकरावतार और याति सर्वभौम भगवान जगदुरू श्री शंकराचार्यजी ने अत्यंत श्रद्धाभाव से कहा - देशिकरूपेण दर्षिताभ्युदयाम् । विभिन्न श्लोकों के माध्यम से जगन्माता को जगदगुरू बताया है। आज के कलयुगी संकट काल में किसका आश्रय लें। इसी जगन्माता और जगद्गुरू के श्री चरणों में शरणागत होकर अपने हृदयोदगार प्रार्थना के रूप में समर्पित कर दें।

शक्ति तत्व

शक्ति तत्व क्या है? जो निर्विषेष शुद्व तत्व सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड का आधार है उसी को पुंस्त्वदृष्टि से चित और स्त्रीत्व को चिति कहते हैं। शुद्व चेतन और चिति ये एक ही तत्व के दो नाम हैं। माया में प्रतिबिम्बित उसी तत्व को जब पुरूष रूप से उपासना की जाती है तब उसे ईष्वर, षिव अथवा भगवान आदि नामों से पुकारते हैं और जब स्त्री रूप से उपासना करते हैं तो उसी को ईष्वरी, दुर्गा अथवा भगवती कहते हैं। शक्तिं की उपासना प्राय- सिद्वियों की प्राप्ति के लिए की जाती है। तंत्र शास्त्र का मुख्य उद्देष्य सिद्धि लाभ ही है। आसुरी प्रकृति के पुरूष मद्य-मांस आदि से पूजते हैं, जिससे उन्हें मारण उच्चाटन आदि आसुरी सिद्धियां प्राप्त होती हैं। देवी प्रकृति के पुरूष गन्ध-पुष्प आदि सात्विक पदार्थों से पूजते हैं, जिससे वे नाना प्रकार की दिव्य सिद्धियां प्राप्त करते हैं। यद्यपि शक्ति के उपासक प्राय- सकाम पुरूष ही होते हैं किन्तु निष्काम उपासक भी होते हैं। राम कृष्ण परमहंस निष्काम उपासक थे। ऋग्वेद के दसम मण्डल के 125 वें सूक्त में आदि शक्ति जगदम्बा कहती हैं -

%% मैं ब्रह्माण्ड की अधीष्वरी हूँ। मैं ही सारे कर्मो का फल भुगताने वाली और ऐष्वर्य देने वाली हूँ। मैं चेतन एवं सर्वज्ञ हूँ। मैं एक होते हुए भी अपनी शक्ति से नाना रूप धारण करती हूँ । मैं मानव जाति की रक्षा के लिए युद्ध कर शत्रुओं का संहार कर पृथ्वी पर शक्ति की स्थापना करती हूँ। मैं ही भू लोक, स्वर्ग लोक का विस्तार करती हूँ । जैसे वायु अपने आप चलती है, वैसे ही मैं भी अपनी इच्छा से समस्त विष्व की स्वयं रचना करती हूँ। मैं सर्वथा स्वतंत्र हूँ । मुझ पर किसी का प्रभुत्व नहीं। अखिल विष्व मेरी विभूति है।

इस प्रकार जगदम्बा को सब कुछ कहा गया है। उस जगज्जननी के अन्दर ही हम जीवन धारण करते हैं, चलते फिरते हैं और अपना अस्तित्व बनाये हुए हैं।

शक्ति तत्व व कलाएं

शक्ति तत्वों के साथ कलाओं का भी संबंध है। ये कलाएं शक्ति रूप में तत्वों की क्रियाएं हैं। उदाहरणत- सृष्टि ब्रह्मा की कला है, पालन विष्णु की कला है और मृत्यु रूद्र की कला है। शाक्त तंत्रों में चौरानवे कलाओं का उल्लेख मिलता है, जिनमें 19 कलाएं सदाषिव की, छ- ईष्वर की, ग्यारह रूद्र की, दस विष्णु की, दस ही ब्रह्मा की, उतनी ही अग्नि की, बारह सूर्य की, सोलह चन्द्रमा की मानी गई हैं। %%सौभाग्य रत्नाकर ग्रंथ'' के अनुसार निवृत्ति, प्रतिष्ठा, विद्या, शान्ति, इन्धिका, दीपिका, रेचिका, मोचिका, परा, सूक्ष्मा, सूक्ष्मामृता, ज्ञानामृता, अमृता, आव्यायिनी, व्यापिनी, व्योमरूपा, मूलविद्या मंत्र कला, महामंत्र कला और ज्योतिष कला ये उन्नीस कलाएं सदाषिव की हैं। पीता, श्वेता, नित्या, अरूणा, असिता और अनन्ता ये छ- कलाएं ईष्वर की हैं। तीक्ष्णा, रौद्री, भया, निद्रा, तद्रा , क्षुदा, क्रोधिनी क्रिया, उद्गारी अभाया और मृत्यु- ये ग्यारह रूद्र की कलाएं हैं। जड़ा, पालिनी, शान्ति, ईष्वरी, रति, कामिका, ह्लादिनी, प्रीति और दीक्षा- ये दस विष्णु की कलाएं हैं। सृष्टि, सिद्धि, स्मृति, मेघा, कान्ति, लक्ष्मी, द्युति, स्थिरा, स्थिति और सिद्धि-ये दस ब्रह्मा की कलाएं हैं। ध्रूमार्चि, उष्मा, ज्वलिनी, जवालिनी, विस्फुलिंगनी, सुश्री, सुरूपा, कपिला, हव्यवहा और कव्यवहा- ये दस कलाएं अग्नि की हैं। तापिनी, तपनी, धूम्रा, मरीचि, ज्वालिनी, रूचि, सुषुम्णा, भोगदा, विष्वा, बोधिनी, धारिणी और क्षमा ये बारह सूर्य की कलाएं हैं। अमृता, मानदा, पूषा, तुष्टि, पुष्टि रति, धृति, शषिनी, चन्द्रिका, कान्ति, ज्योत्सना , श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्णा और पूर्णामृता, ये सोलह कलाएं चन्द्रमा की है। इन चौरानवें कलाओं में से पचास मातृका-कलाएं हैं। जो इस प्रकार हैं - निवृत्ति, प्रतिष्ठा, विद्या , शान्ति, इन्धिका, दीपिका, रेचिक, मोचिका, परा, सूक्ष्मा, सूक्ष्मामृता, ज्ञानामृता, आव्यायिनी, व्यापिनी, व्योमरूपा अनन्ता, सृष्टि, ऋद्धि, स्मृति, मेधा, कान्ति, लक्ष्मी, द्युति, स्थिरा, स्थिति, सिद्धि, जडा, पालिनी, शान्ति, ऐष्वर्या, रति, कामिका, वरदा, ह्लादिनी, प्रीति, दीर्घा, तीक्ष्णा, रौद्री, भया, निद्रा-तन्द्रा, क्षुधा, क्रोधिनी, क्रिया उदगारी, मृत्युरूपा, पीता, श्वेता, असिता, और अनंता इन पचास कलाओं का उस सुरा कुम्भ में पूजन होता है, जिसमें तारा द्रवमयी निवास करती है। इनका नाम संवित्कला है। यह बाल योगनी हृदय- तंत्र में की गई है।

शक्ति पूजा और योग रहस्य

हिन्दुओं की समस्त साधना की कुंजी है %%तंत्र'' । सब सम्प्रदायाओं की सब प्रकार की साधना का गूढ़ रहस्य तंत्र-षास्त्र में निहित है। तंत्र केवल शक्ति उपासना का ही नहीं अपितु सभी साधनाओं का एक मात्र आश्रय है। जिस प्रकार मनुष्य की प्रकृति सात्विक, राजसिक और तामसिक भेद में तीन प्रकार की है- उसी प्रकार तंत्र शास्त्र भी सात्विक, राजसिक और तामसिक भेद से तीन प्रकार का है तथा उसकी साधना प्रणाली भी उसी प्रकार गुण भेद से तीन प्रकार की व्याख्यात होती है।।

महाकाल पुरूष और उसकी शक्ति

1. महाकाली

परात्पर नाम से प्रसिद्ध विष्वातीत महाकाल पुरूष की शक्ति का नाम ही महाकाली है। शक्ति शक्तिमान से अभिन्न है। अतएव अद्वैतवाद अक्षुण रहता है। अग्नि की दाहक शक्ति अग्नि से अभिन्न है, प्रकाष शक्ति जैसे सूर्य से अभिन्न है। वह एक ही तत्व शक्ति रूप से परिणत हो रहा है। शक्ति से पहिले इसी महाविद्या का साम्राज्य रहता था। वह पहला स्वरूप है। अतएव महाकाली आगम शास्त्र में प्रथमा, आद्या आदि नामों से व्यवहृत हुई है। सूर्योदय से पहिले- रात्रि के 12 बजे से बीच का समय महाकाली का है। सृष्टि काल उनकी प्रतिष्ठा नहीं, प्रलय काल उनकी प्रतिष्ठा है। अनंताकाष रूप चतुर्भुज रूप में परिणत होकर ही, वह विष्व का संहार करती है।

2.अक्षोभ्य पुरूष और उसकी महाशक्ति तारा

महाकाली की सत्ता रात्रि 12 बजे से सूर्योदय के पूर्व तक रहती है। इसके पष्चात् %%तारा का साम्राज्य है। हिरण्यगर्भ विद्या के अनुसार निगम शास्त्र ने सम्पूर्ण विष्व की रचना का आधार सूर्य माना है। सौरमण्डल आग्नेय होने से हिरण्यमय कहलाता है। जिस प्रकार विष्वातीते काल पुरूष की शक्ति महाकाली थी वैसे ही विष्वधिष्ठाता इस हिरण्यगर्भ पुरूष की शक्ति %तारा है। यह पुरूष तंत्र शास्त्र में अक्षोभ्य नाम से प्रसिद्ध है। जब तक अन्नाहुति होती रहती है तब तक तारा शान्त रहती है। अन्नाभाव में वही उग्र बन कर संसार का नाष कर डालती है। महाकाली और उग्र तारा दोनों का काम प्रलय करना है।

3.पंचवक्त्र षिव और उसकी महाशक्ति षोडशी

आगम रहस्यानुसार स्वर - वाक की अधिष्ठाती यही हैं। इसी पंचवक्त्र षिव की शक्ति का नाम षोडषी है। भू- भुव- स्व- रूप तीनों ब्रह्मपुर इसी महाषक्ति से उत्पन्न हुए हैं अतएव तंत्र में यह त्रिपुर सुन्दरी के नाम से भी प्रसिद्ध हैं। सूर्य को लोक चक्षु कहा जाता है। ताप (अग्नि) आहुत सोम (चन्द्रमा) और सूर्य प्रकाष- षिव शक्ति ने इन्हीं तीन रूपों से विष्व को प्रकाषित किया है। सोमाहुति से यह शान्ति बनी रही। प्रात- काल का बाल सूर्य इनकी साक्षात प्रतिकृति है। सृष्टिकर्ता ब्रह्मा, पालक विष्णु, संहारक, रूद्र खण्ड प्रलय के अधिष्ठाता, यम, ये चारों देवता उसके अधीन है।

4.त्रयम्बक शिव और उनकी महाशक्ति भुवनेश्वरी

यह चैथी सृष्टि धारा है, चैथी सृष्टि विद्या है। यदि सूर्य में सोमाहुति न होती तो यज्ञ असम्भव था। बिना यज्ञ के भुवन - रचना का अभाव था। बिना भुवन के भुवनेष्वरी उन्मुग्ध थी। संसार में जितनी भी प्रजा है सबको उसी त्रिभुवन व्याप्ता भुवनेष्वरी से अन्न मिल रहा है। भुवनों को उत्पन्न कर उनका संचालन करती हुई वही शक्ति आज भुवनेष्वरी बन गई है।

5.कबन्ध शिव और महाशक्ति छिन्नमस्ता

पाड्क्तों वै यज्ञ-(ष. 1/1/12) के अनुसार सृष्टि का मूल यज्ञ- पाक यज्ञ, हविर्यज्ञ, महायज्ञ, अतियज्ञ और षिरो यज्ञ- भेद से पांच भागों में विभक्त है। स्मार्त यज्ञ पाक यज्ञ है। अग्नि चयन, राजसूय, अष्वमेघ और वाजपेय ये चार अति यज्ञ हैं। जो महामाया षोडषी तथा भुवनेष्वरी बन संसार का पालन करती हैं वहीं अन्त काल में छिन्नमस्ता बनकर नाष कर डालती हैं।

6.दक्षिणामूर्ति काल भैरव और उसकी महाशक्ति-भैरवी

यमराज को दक्षिण दिषा का लोकपाल बतलाया जाता है। दक्षिण में अग्नि की सत्ता है। उत्तर में सोम का साम्राज्य हे। सोम स्नेह - तत्व है, संकोच धर्मा है। अग्नि तेज तत्व है, रूद्र की शक्ति का नाम व भैरवी किवा त्रिपुर भैरवी हैं। कल्याणेच्छुकों को उनका निरन्तर ध्यान करना चाहिए।

7.पुरूष शून्या अथवा विधवानाम से प्रसिद्व महाशक्ति धूमावती

संसार में दुख के मूल कारण- रूद्र, यम, वरूण, निर्ऋति ये चार देवता है। विविध प्रकार के ज्वर महामारी, उन्माद आदि आग्रेय (सन्ताप) संबंधी रोग रूद्र की कृपा से होते हैं। मूर्च्छा, मृत्यु, अंग-भंग आदि रोग यम की कृपा के फल हैं। गठिया शूल- गृध्रसी लकवा आदि के अधिष्ठाता वरूण हैं एवं सब रोगों में भयंकर शोक कलह दरिद्रता आदि की संचालिका निर्ऋति है। ध्यान से ही निदान स्पष्ट है। आषाढ़ शुक्ल एकादषी से वर्षाकाल प्रारंभ हो जाता है तथा कार्तिक शुक्ला एकादषी वर्षा की परम अवधि मानी जाती है। इस चार महीनों को चातुर्मास्य कहते हैं। चातुर्मास्य देवताओं का सुषुप्तिकाल कहलाता है। इतने दिनों तक आसुरी प्राण का साम्राज्य रहता है। इसीलिए दिव्य प्राण की उपासना करने वाले कोई दिव्य कार्य (विवाह-यज्ञोपवीत, यात्रा आदि) नहीं करता। निर्ऋति रूपा धूमावती प्रधान रूप से चतुर्मास्य में रहती हैं।

8.एक वक्त्र महारूद्र और उसकी महाशक्ति बगुलामुखी-

प्राणियों के शरीर में एक अर्थवा नाम का प्राण सूत्र निकला करता है। प्राण रूप होने से हम इसे स्थूल दृष्टि से देखने में असमर्थ रहते हैं। यह एक प्रकार की वायरलेस टेलीग्राफी है। सैकड़ों किलोमीटर की दूरी पर रहने वाले आत्मीयजनों के दुख से हमारा चित्त परोक्ष रूप से व्याकुल हो उठता है, उसी परोक्ष सूत्र का नाम अथर्वा है। निगमोक्त बल्गा - शब्द आगम में बगला के रूप में परिणत हो गया। निगम-शास्त्र की बगला ही आगम की बगलामुखी हं। इस कृत्या शक्ति की आराधना करने वाला मनुष्य अपने शत्रु को मनमाना कष्ट पहुंचा सकता है।

9. मतंग शिव और उसकी महाशक्ति मातंगी

नवमी महाविद्या शक्ति मातंगी देवी हैं। यह तंत्र में अपना प्रमुख स्थान रखती हैं। इन्हें राज मातंगी भी कहते हैं। इस शक्ति से उन्मत्त हाथी भी वष में हो जाते हैं। यह राजसी भाव से उपासित होकर आराधना करने से राज योग प्रदायनी महाशक्ति बन जाती हैं। इसमें वषीकरण करने की शक्ति है। इनका स्वरूप तंत्र शास्त्र में इस प्रकार लिखा है कि यही राज मातंगी श्यामला, शुक्र श्यामला, राज श्यामला विद्या हैं।

10. सदाशिव पुरूष और उसकी महाशक्ति कमला -

धूमावती और कमला में प्रतिस्पर्धा है। वह ज्येष्ठा थी और यह कनिष्ठा। वह अवरोहिणी थी, यह रोहणी है। वह आसुरी थी यह दिव्या है। वह दरिद्रा थी, यह लक्ष्मी है। दसवीं सदाषिव की महाशक्ति कमला महाविद्या है। जिसका रोहणी नक्षत्र में जन्म होता है, वह सुखी और समृद्ध होता है। कमला ही महालक्ष्मी हैं। ये धन धान्य, वसु, रत्नप्रदा, रत्नधारा, कनकधारा वसुधारा हैं। यह दरिद्रता का विनाष करती हैं। इस प्रकार उपरोक्त दस महाविद्या शक्तियों का संक्षिप्त दिग्दर्षन नाम मात्र से किया गया हैं।

शक्ति ही जड़ और चेतन

यह विश्व शक्तिमय है। विश्व के अतिरिक्त भी जो कुछ सत्ता है, वह भी शक्ति है। शक्ति ही जड़ और चेतन दोनों हैं - ब्रह्म, जीव और माया तीनों हैं। शक्ति ही परात्पर है। शक्ति ही भगवती है, शक्ति ही भगवान है। शक्ति ही शक्तिमान है। शक्ति और शक्तिमान में अन्तर नहीं है। जो कुछ है शक्ति है जो कुछ नहीं है वह न होना भी शक्ति ही है। भगवती शक्ति क्या नहीं है? कौन कह सकता है ? सर्वस्य या शक्ति- सा त्वं किं स्तूयसे मया'' कौन स्तुति करने में समर्थ है।

श्री शतचण्डी पूजनः सप्तशती महामंत्र

किसी षिवालय अथवा दुर्गा मंदिर के निकट एक सुन्दर मण्डप बनावे, जिसमें दरवाजे और वेदी भी बनी हो। उसके चारों ओर तोरण (बन्दनवारे) लगावें और ध्वाजारोपण भी करें। मण्डप के अंतर्गत पष्चिम भाग या मध्य भाग में होम कुण्ड बनावे। स्नान और नित्य क्रिया से निवृत्त होकर दस उत्तम ब्राम्हणों का वरण करें। ये ब्राम्हण जितेन्द्रिय, सदाचारी कुलीन, सत्यवादी तथा बोधयुक्त हों साथ ही दयालु और प्रतिदिन दुर्गा सप्तषती का पाठ करने वाले हों। उन्हें विधिवत विधि पूर्वक (पाद्य अर्घ्य, आचमनीय के साथ अनन्तर) निवेदन करके वस्त्रादि दान, जप के लिए आसन और माला दें तथा हविष्य - भोजन अर्पण करें। तथा विधि विधान पूर्वक जप सम्पुट- पाठ से (प्रत्येक मंत्र के आदि- अंत में किसी बीज अथवा अन्य मंत्र का उच्चारण करने से मंत्र सम्पुटित होता है) एक सहस्त्र जाप प्रत्येक ब्राह्मण को करना चाहिए। अनुष्ठान में यजमान को नव कुमारियों का पूजन करना चाहिए जो कि दो वर्ष से लेकर दस वर्ष की उम्र वाली हो उनके नाम क्रमषः 1 कुमारी, 2. त्रिमूर्ति, 3. कल्याणी 4. रोहिणी, 5. कालिका, 6. शाम्भवी 7. दुर्गा, 8. चण्डिका 9. सुभद्रा। इन्हीं नाम मंत्रों से इनकी पूजा करना चाहिए। अपने सम्पूर्ण मनोरथों की सिद्धि के लिए ब्राह्मण कन्या का, यष के लिए, क्षत्रिय कन्या का, धन के लिए वैष्य कन्या का और पुत्र के लिए शूद्र कन्या का पूजन करना चाहिए। गंध, पुष्प, धूप, दीप, भक्ष्य भोज तथा वस्त्राभरणों द्वारा अपनी शक्ति के अनुसार कन्याओं का पूजन करें। इनका आवाहन करने के निमित्त शंकरजी का कहा हुआ मंत्र बतलाया जा रहा हैं। %%मैं मन्त्राक्षरमयी, लक्ष्मीरूपिणी, मातृ रूपधारिणी तथा साक्षात दुर्गा स्वरूपिणी कन्या का आवाहन करता हूं।

महायन्त्रादि- पूजन विधि

वेदी पर सुन्दर सर्वतो भद्र मण्डल बना कर उस पर विधि पूर्वक कलष स्थापन करें और कलष के ऊपर मां भगवती पार्वती जी का आवाहन करें। पीठ की पूर्वादि दिषाओं में गणेष आदि चार की स्थापना करें उनके नाम है भगवान जय महागणेष, क्षेत्रपाल, दो पादुकाएं और तीन बटुक। आग्नेय आदि चारों कोणों में जया, विजया, जयन्ती और अपराजिता इन चार देवियों की आराधना करें एवं पूर्वादि दिषाओं में इन्द्रादि देवताओं की पूजा करनी चाहिए। इसी प्रकार चार दिनों तक पूजा करें। उनमें भी प्रथम दिन सप्तषती का एक पाठ, दूसरे दिन दो, तीसरे दिन तीन और चैथे दिन चार पाठ प्रत्येक ब्राह्मण करें पांचवे दिन हवन होना चाहिए।

होम द्रव्य

विधि पूर्वक स्थापित हुए अग्नि में तीन बार मधु से भिगोये हुए हविष्य, द्राक्षा, केला, मातुलिंग, ईख, नारियल, तिल, जातीफल, आम तथा अन्य मधुर द्रव्यों से दस आवृत्ति सप्तषती के प्रत्येक मंत्र पर हवन करें और एक सहस्त्र नवार्ण मंत्र से भी हवन करें। फिर आवरण देवताओं के लिए उनके नाम मंत्रों द्वारा हवन करके यथोचित रूप से पूर्ण आहूति दें। तत्पष्चात् ब्राह्मणवृन्द देवताओं सहित अग्नि का विसर्जन करके यजमान को कलष के जल से अभिषित करें। यजमान प्रत्येक ब्राह्मण को एक सहस्त्र मुद्राएं दक्षिणा रूप में प्रदान करें । फिर नाना प्रकार के भक्ष्य भोज्यों द्वारा ब्राह्मणों को भोजन करावे और उन्हें दक्षिणा देकर आषीर्वाद लें। ऐसा विधि विधान से पूजन करने पर मां जगदम्बा की कृपा से सुबुद्धि समृद्धि और आपदा, विपदा और झंझाओं से मुक्ति मिल सकेगी। शतचण्डी श्रीदुर्गा सप्तषती का परम अस्त्र है और उसकी शक्ति तथा प्रयोग सन्निहित है इस महामंत्र में। इसकी विधिवत साधना से साधक का जीवन दिव्य और पूर्ण हो जाता है। सप्तषती महायंत्र भोज पत्र पर लिखना हो तो केषरयुक्त चन्दन से बिल्व लेखनी द्वारा अंकित करना चाहिए तथा विधि- विधान से यंत्र की पूजा-प्रतिष्ठा करना चाहिए।

- पंडित पीएन भट्ट
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिर्विद, अंकशास्त्री एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ संचालक - एस्ट्रो रिसर्च सेंटर जी-4/4,जीएडी कॉलोनी, गोपालगंज, सागर (मप्र)
मोबाइल : 09407266609, 8827294576
फोन: 07582-223168, 223159

ज्योतिष के आईने में संवत 2080

पिंगल नामक नव संवत्सर 2080 का शुभारम्भ दिनांक 22.3.2023 दिन बुधवार, चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा, रेवती नक्षत्र । इस वर्ष के राजा बुध, मंत्री-शुक्र तथा मेधेश शकु इस संवत में 3 सूर्य ग्रहण और 3 चन्द्र ग्रहण पड़ेंगे ।

आइए ! जानते हैं, ज्योतिष आईने में संवत 2080 विश्व मानव को कैसे प्रभावित करेगा, उसका ज्योतिषीय आंकलन चमत्कारी रहेगा।विक्रम संवत् 2080 का शुभारम्भ मानव जाति की विनाश लीला लेकर आया है। भूमि पुत्र मंगल रक्त और हड्डियों का प्रतिनिधित्व करता है अर्थात यूरोपीय महाद्वीप में दिनांक 22/3/2023 से और भी रक्तरंजित करने वाला महायुद्ध होगा। विश्व में इस महायुद्ध की विभीषिका का विराम खरमास की समाप्ति दिनाक 14. 4. 2023 के बाद शान्ति वार्ताएं निर्णायक होती नजर आयेंगी। विश्व दो खेमों में बंट जायेगा। अमेरिका का राजनैतिक, सामरिक, आर्थिक प्रभुत्व कमोबेश घटेगा ही।महंगाई, बेरोजगारी से थका मादा मानव समाज शनैः शनै राहत महसूस करने लगेगा । ज्योतिषीय परिदृश्य में नवसंवत्सर में ऐसे महान संयोग भी बन रहे हैं- यथा केदार योग, हंस महापुरुष योग, गजकेशरी योग, शंख योग, केन्द्र-त्रिकोण राज योग, उत्तम गृह योग, सत्कीर्तियोग तथा अशुभ योगों में मतिभ्रम योग तथा कपट योग, जो मानव समाज को यदा कदा आपदाओं, विपदाओं कंझाओं से रूबरू कराते रहेंगे ।इसी संवत्सर में 2023 में कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश में विधान सभायी चुनावों का राजनैतिक सम महासमर भी दिलचस्प रहेगा। मध्य प्रदेश में सत्तासीन भाजपा की वापिसी ग्रह योग बनते नजर आ रहे हैं। जिन राजपुरुषों की जन्म कुण्डलियां मेरे पास हैं, उनमें नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेन्द्र सिंह एवं कृषि मंत्री कमल पटेल की चुनावी विजय सुनिश्चित है। यदि भाजपा प्रान्तीय उपाध्यक्ष आलोक शर्मा को विधान चुनावों में प्रत्याशी बनाती है तो उनकी जीत के साथ ही श्रीमति कृष्णा गौर भी विजयश्री वरण करेगी।कालसर्प योगी पूर्व मुख्यमन्त्री कमलनाथ तथा भारतीय राजनीति के चाणक्य रहे अर्जुन सिंह पुत्र अजय सिंह भी विजयी भाव से अट्टहास करते नजर आयेगे। अन्य राज पुरुषों की जन्म कुण्डली अभाव में, मैं मौन हूं ।वर्ष 2024 इसी संवत्सर के उत्तरार्ध में लोक सभा चुनावों में भाजपा के पुनः राज्यारोहण के सुयोग बनते नजर आ रहे हैं, किन्तु संख्या बल घटेगा । भाग्येश की महादशा रथ पर आरुढ़ दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल दिल्ली की 7 में से 2 सीटों पर विजयश्री प्राप्त कर सकते हैं। पिंगल नामक नवसंवत्सर विश्व में एक नई औद्योगिक क्रान्ति का जनक बनेगा । कृषि, वर्ष, पर्यटन, शिक्षा, चिकित्सा, पत्रकारिता, आटोमोबाइल्स आदि के क्षेत्र भारत प्रगति के नये आयामों का सृजनहार बनेगा। अपने इस्पाती इरादों के साथ विश्व के मानचित्र में चीन और भारत के सौहार्द्रपूर्ण संबंध बनते नजर आयें तो अचंभित मत होना । विश्व के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सामरिक तथा सांस्कृतिका एक मंच पर भारत का गौरव शिखर छूता नजर आयेगा।

पं. पी. एन. भट्ट
(ज्योतिषाचार्य)

एम्स भोपाल खेल उत्सव पूरे उत्साह के साथ आयोजित किया जा रहा है

कॉलेज स्पोर्ट्स फेस्ट प्रवाह 2023 का छठा दिन सभी प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए एक रोमांचक अनुभव था। दिन की शुरुआत बड़ी ऊर्जा के साथ हुई, और पूरे दिन कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित किए गए। दिन के लिए मुख्य कार्यक्रम गर्ल्स कबड्डी, थ्रोबॉल और बॉयज कबड्डी, वॉलीबॉल और फुटबॉल थे। आने वाले कार्यक्रमों में तैराकी प्रतियोगिताएं, कबड्डी लड़के, कबड्डी लड़कियां, फुटबॉल लड़के और लड़कियां हैं। ग्रे हाउस लगातार अपनी स्थिति बनाए हुए है।

अभिनय पांडेय ने 74 रन 4 विकेट लेकर टीम को दिलायी शानदार जीत

राहतगढ़ में क्रिकेट महाकुंभ के लीग मैचों का दर्शकों ने लिया आनंद

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चल रहे क्रिकेट महाकुंभ में 26 मार्च को महाआर्यमन सिंधिया शामिल होंगे जिसको लेकर तैयारियां जोरों पर है। लीग मैच राहतगढ़ के गोविंद स्टेडियम में खेले जा रहे हैं जिसमें मंगलवार को चार मैच खेले गये। पहले मैच में टीम मढ़खेरा बिलहरा ने टीम सीहोरा11 स्टार को हराया प्लेयर ऑफ द मैच अभिनय पांडेय रहे। दूसरे मैच में टीम सीहोरा11 स्टार ने टीम हिनोतिया को हराया प्लेयर ऑफ द मैच 52 रन बनाकर राहुल ठाकुर रहे। तीसरे मैच में टीम मढ़खेरा बिलहरा ने हिनोतिया को हराया प्लेयर ऑफ द मैच अभिनय पांडेय 74 रन 4 विकेट लेकर रहे। चौथे मैच में टीम बंजरिया ने टीम मित्रता क्लब को हराया प्लेयर ऑफ द मैच शुभम चढ़ार रहे।

दर्शकों से भरे स्टेडियम में खिलाड़ियों का खूब उत्साह वर्धन हुआ। खिलाड़ियों के चोके छक्कों का स्वागत क्षेत्रवासियों ने तालियां बजाकर किया। इस अवसर पर सुंदर घोषी, रामकुमार सेन, मुकेश जैन, जितेन्द्र चंदेल, पप्पू राय, संदीप मेहता, मुकेश चौधरी सहित सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने स्टेडियम पहुंचकर मंत्री ट्रॉफी के तहत चल रहे क्रिकेट महाकुंभ का आनंद लिया।

जनसुनवाई में हितग्राहियों को वितरित की खाद्यान्न पर्ची चेक

अमरवाड़ा । नगर पालिका अध्यक्ष कक्ष में साप्ताहिक जन सुनवाई के दौरान मंगलवार को अमरवाड़ा नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी ने विभिन्न वार्डो के 15 हितग्राहियों को राशन खाद्यान्न पर्ची बनवाकर वितरित की, वही 6 हितग्राहियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 11-11 हजार रुपए के चेक वितरित किए मंगलवार की अध्यक्ष की साप्ताहिक जनसुनवाई में 17 आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याएं नगरपालिका अध्यक्ष को बताई जिनका निराकरण करने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया गया ढ्ढ जनसुनवाई के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी, उपाध्यक्ष प्रकाश ठाकुर, सभापति एवं भाजपा नेता मुकेश सूर्यवंशी, प्रहलाद सूर्यवंशी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी रोशन सिंह बाथम,उपयंत्री श्रुति शुक्ला, दुर्गा वंशकार,विपिन नामदेव सहित नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

मां कर्मा देवी मंदिर भव्य निर्माण का भूमिपूजन आज

छिंदवाड़ा तैलिक वंश कुलभूषण आराध्य देवी संत शिरोमणि मां कर्मा जी के भव्य मंदिर निर्माण की आधारशिला सनातनी हिंदू नववर्ष संवतसर 2080 चैत्र नवरात्रि , गुड़ी पाड़वा की अक्षयतिथि पर ब्रम्हलीन भगिया बाई साहू द्वारा प्रदत्त दानभूमि शहर से लगे वार्ड नं. 3 जामुनझिरी में भगवान जगन्नाथ जी की श्रीकृपा आप सभी सामाजिक बंधुओं के अमूल्य सहयोग से आज सकल साहू समाज के स्वजातियो बंधुओ की उपस्तिथि में प्रात: 10बजे किया जावेगा , इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक संख्या में सामाजिक जनों की उपस्तिथि होने की अपील की गई है।

25 मार्च गृह मंत्री अमित शाह का आंचल कुंड आगमन

अमरवाड़ा । नगर के भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा की बैठक आयोजित की गई युवा मोर्चा अध्यक्ष अमित ने बताया कि आगामी 25 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आंचल कुंड आगमन हो रहा है जिन की तैयारियों को लेकर पटेल युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राम पटेल एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला महामंत्री गोपाल यदुवंशी के द्वारा तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई और सभी युवा मोर्चा के पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां दी इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राम पटेल ने कहा कि यह क्षेत्र के गौरव की बात है कि जब केंद्रीय मंत्री का आगमन आपके क्षेत्र में होने जा रहा है आप सभी को संकल्प लेना है कि हमें छिंदवाड़ा जिले की सातों सीटों में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों को जिताना है और छिंदवाड़ा में आयोजित केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की विशाल आम सभा में क्षेत्र से अधिक से अधिक युवा मोर्चा के पदाधिकारी को पहुंचना है इस मौके पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के अजय साहू अशोक कहार पप्पू मालवीय अंशुल साहू भीम बंदे बाहर विक्की कहार नीरज पटेल अंकित साहू राहुल साहू सचिन सराठे सूरज पीपल नीलेश चंदेल मौजूद रहे।

अग्निवीर पद के आवेदन के लिये ऑनलाईन पंजीयन की सलाह

छिन्दवाड़ा ।जिला रोजगार अधिकारी सुश्री माधुरी भलावी ने बताया कि भारतीय वायु सेना में अग्निवीर पद के लिये विज्ञापन जारी किया गया है जिसमें 31 मार्च 2023 तक आवेदन के लिये ऑनलाईन पंजीयन किया जा सकता है । इच्छुक आवेदकबेवसाईटhttps://agnipathvayu.cdac.in पर अपना पंजीयन करा सकते हैं । संबंधित लिंक एम.पी.रोजगार पोर्टल पर भी उपलब्ध है । उन्होंने बताया कि ऐसे युवा जिनका जन्म 26 दिसंबर 2002 से 26 जून 2006 के मध्य हुआ है, वे आवेदन करने के लिये पात्र है तथा शैक्षणिक योग्यता संबंधी जानकारी विज्ञापन या भारतीय वायु सेना भर्ती की बेवसाईट से प्राप्त की जा सकती है ।

वन विकास निगम अध्यक्ष श्री डावर आज आयेंगे

छिन्दवाड़ा । म.प्र.राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) एवं पूर्व विधायक माधौ सिंह डावर 22 मार्च को शाम 4 बजे जबलपुर से प्रस्थान कर रात्रि 8 बजे छिंदवाड़ा आयेंगे और वन विश्राम गृह छिंदवाड़ा में रात्रि विश्राम करेंगे । आप 23 मार्च को प्रातत्र 10 बजे म.प्र.राज्य वन विकास निगम की छिंदवाड़ा परियोजना मंडल के अंतर्गत संचालित रोपणी का निरीक्षण करने के बाद दोपहर 12 बजे छिंदवाड़ा परियोजना मंडल कार्यालय में संभागीय प्रबंधक बैतूल और छिंदवाड़ा से विभागीय कार्यो के संबंध में बैठक में चर्चा करेंगे। दोपहर एक बजे से आपका समय आरक्षित रहेगा तथा आप शाम 4 बजे छिंदवाड़ा से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे ।

जलकर बाकी होने किए नल कनेक्शन विच्छेद

छिंदवाड़ा । वित्तीय वर्ष 2022- 23 समाप्ति के पूर्व निगम अमले द्वारा कर संग्रहण की कवायद की जा रही है इसी क्रम में निगमायुक्त राहुल सिंह के आदेश पर निगम की जल प्रदाय शाखा के कर्मचारियों ने 01 नल कनेक्शन विच्छेद किया। यह कार्यवाही वार्ड नं 22 निवासी रमा बाई उइके के विरुद्ध की गई जिनपर जलकर के ?9866/- बकाया हैं। निगमायुक्त के आदेश पर जलकर जमा न करने वाले लोगो के नल कनेक्शन विच्छेद की कार्यवाही प्रतिदिन की जा रही है। इस कार्यवाही में वार्ड प्रभारी सत्येंद्र जायसवाल तथा जीवन लाल सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

कांग्रेस तिलक लगाकर करेगी नगरवासियों का नूतन वर्ष भिनंदन

छिंदवाड़ा । कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आनंद बक्षी, पार्षद श्रीमती सरिता चिंटू काले एवं श्रीमती हंसा अंबर दाढ़े ने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, गुड़ी पाड़वा के अवसर पर सांसद नकुलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेसजन प्रात: 9ञ्30 बजे अनगढ़ हनुमान मंदिर में एकत्रित होकर नगरवासियों को तिलक लगाकर नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित करेंगे।

अमित शाह के आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

छिंदवाड़ा-नैनपुर रेल लाईन पर गाड़ियों का कर सकते है शुभारम्भ?

नागपुर रेल मण्डल शत प्रतिशत हुआ विद्युतिकृत छिंदवाड़ा से जबलपुर सीधी ट्रेन सुबह चलानी चाहिये

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा । भाजपा अमित शाह के आने को लेकर काफी उत्साहित है, गांव-गांव में भाजपा पीले चांवल एंव निमंत्रण पत्र बांट रही है। गृहमंत्री अमित शाह का आना भाजपा के लिए धमाका जैसा है। अमित शाह के आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छिंदवाड़ा-नैनपुर बड़ी रेल लाईन पर रेल गाड़ियों के प्रारम्भ करने के लिए हरी झण्डी दिल्ली से ही दिखा सकते हैं। दक्षिण पूर्व रेल मण्डल का शत प्रतिशत विद्युतिकरण हो चुका है जो रेल्वे की बड़ी उपलब्धी है, शत-प्रतिशत विद्युतिकरण से रेल्वे को डीजल के मुकाबले आधी बचत होती है।

बताया जाता है कि नई रेलों के परिचालन की सूची रेल्वे ने प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया है। अत: रेलों का शुभारम्भ कब करना प्रधानमंत्री कार्यालय से पता चलेगा।

6 अप्रैल तक लोकसभा सत्र है इसीलिए रेलमंत्री व्यस्त है। 6 अप्रैल के बाद प्रधानमंत्री वर्चुअल हरी झण्डी दिखा सकते हैं एवं रेल राज्य मंत्री सिवनी में कार्यक्रम का शुभारम्भ करेंगे, इसके लिए सिवनी बालाघाट के सांसद डॉ.ढालसिंग बिसेन प्रयास कर रहें।

छिंदवाड़ा से नैनपुर तक रेल मण्डला तक कर दी गई है। किन्तु रेल्वे ने अभी तक छिंदवाड़ा से जबलपुर तक की सुबह से जाने वाली किसी ट्रेन की घोषणा नहीं की है।

छिंदवाड़ा-नागपुर की जबलपुर होते हुये लगभग 200 किलो मीटर की बचत है। बताया जाता है जुलाई माह में नया टाईम टेबिल आयेगा तो कई ट्रेनें यहां से प्रारम्भ हो सकती है। देखना है कि भाजपा अमित शाह के आने बाद नया धमाका क्या करती है।

पेंच व्यवपर्तन परियोजना की नहरों को देखने आयेंगे सिंचाई मंत्री तुलसीराम सिलावट

मुनमुन राय ने मामला विधानसभा में उठाया

छिंदवाड़ा । पेंच व्यपवर्तन परियोजना में भ्रष्टाचार एं अनियमितताओं के कारण किसानों को नहर से पानी नहीं मिल रहा है, क्योकि नहरों का तकनीकी रूप से गलत निर्माण किया गया है, इसके अलावा जिले की माईक्रो सिंचाई परियोजनाओं का काम कुछ नहीं हो रहा हैऔर अधिकारियों ने कांग्रेस शासन में 512 करोड़ एवं भाजपा शासन में भी करोड़ों का भुगतान कर दिया। सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक मुनमुन राय ने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया अधिकारियों के कारनामे उठाते हुये एस.डी.ओ एवं प्रभारी कार्यपालन यंत्री आर.के.भलावी के खिलाफ जांच की मांग की है, विधायक ने आरोप लगाया कि ये ठेकेदारों से मिलकर अनियमितायें कर रहे हैं एवं पाईप के नाम पर चार करोड़ का एडवान्स भी दिया।

विधायक मुनमुन राय के प्रश्नों का सिंचाई मंत्री बराबर जवाब नहीं दे पाये, अनत: उन्हें कहना पड़ा कि वे नहर क्षेत्रों का दौरा करेंगे और अधिकारियों के खिलाफ जांच बैठकार कार्यवाही करेंगे।

हटाये जायेगें आर.के.भलावी

बताया जाता है कि जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट संभाग के एस.डी.ओ और प्रभारी कार्यपालन आर.के.भलावी को हटाने का निर्णय लेकर जांच कराने का मन बना लिया।

भाजपा जिला अध्यक्ष पहुंचे आंचलकुण्ड, पुलिस ग्राउंड की भी देखी व्यवस्थाएं

छिंदवाड़ा । भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू मंगलवार को हर्ई स्थित आंचल कुंड पहुंचे जहां पर 25 मार्च को होने वाले केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के कार्यक्रम की व्यवस्था देखी एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए, साथ ही भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू पुलिस ग्राउंड भी पहुंचे तथा 25 मार्च को आयोजित की जाने वाली आम सभा की व्यवस्थाएं का जायजा लिया। इस अवसर पर इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू के साथ पूर्व विधायक नत्थन शाह कवरेती, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शेषराव यादव, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कमलेश उईके, जितेंद्र शाह, अन्त्योदय प्रकोष्ठ जिला संयोजक अरविंद राजपूत, राहुल उईके सहित वरिष्ठ भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व भाजपा विधायक रामाराव महाले के पुत्र

भाजपा नेता प्रशान्त महाले कांग्रेस में शामिल हुये

छिदंवाड़ा । भाजपा के पूर्व विधायक रामाराव महाले सौंसर के पुत्र नेता प्रशान्त महाले ने कांग्रेस सदस्यता ली, पूर्व मंत्री नानामोहोड़ रामाराव महाले के चेले रहे है, नाना माहोड़ के सत्ता में आने से उनकी लगातार उपेक्षा हो रही थी, इसीलिए प्रशान्त कांग्रेस में शामिल हो गये, प्रशान्त तिरोले कुन्बी है, भविष्य में कांग्रेस उसे एमएलए का उम्मीदवार बना सकती है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने झंडी दिखाकर प्रचार रथ को किया रवाना

छिंदवाड़ा । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह जी का छिंदवाड़ा आगमन 25 मार्च को होने जा रहा है। इस कार्यक्रम हेतु नगर के सभी वार्डों में पीले चावल के साथ आमंत्रण पत्र देकर जनता को आमंत्रित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू द्वारा भाजपा कार्यालय से झंडी दिखाकर प्रचार रथ को नगर में प्रचार हेतु रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू के साथ पूर्व विधायक नत्थन शाह कवरेती, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शेषराव यादव, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कमलेश उईके, जितेन्द्र शाह, अन्त्योदय प्रकोष्ठ जिला संयोजक अरविंद राजपूत, राहुल उईके सहित वरिष्ठ भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसएचजी की महिलाओं के लिये अल्पविराम परिचय कार्यशाला

छिन्दवाड़ा । राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश के जिलों में नागरिकों को आनंद की अनुभूति कराने और सरल, सहज जीवन की दिशा में बढ़ाने एवं बुजुर्गों में आनंदित होकर जीने के लिये प्रोत्साहित करने की दृष्टि से अल्पविराम कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल के मार्गदर्शन में आज जनपद पंचायत छिंदवाड़ा के सभाकक्ष में एस.एच.जी. की महिलाओं के लिये एक दिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यक्रम में भागदौड़ की जिंदगी में किस प्रकार तनावमुक्त रहा जाये व स्वयं में किस प्रकार आनंद को ढूंढा जाये, सरकार के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को रखा गया। इस कार्यक्रम में एस.एच.जी. की सीआरपी, जलसखी, पशुसखी व एस.एच.जी. की अध्यक्ष, सचिव और स्थानीय कर्मचारियों ने सहभागिता की।

आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर श्री मुकेश करुवा ने आनंद विभाग की स्थापना व अवधारणा को स्पष्ट करते हुए अपनी लाइफ बैलेंस शीट को जानने के लिए विभिन्न टूल्स के माध्यम से साझा करते हुए अल्पविराम के माध्यम से हम अपने बोझ को कैसे हल्का करके सुखद अनुभव कर सकेंगे, इसकी प्रक्रिया बतलाई। मास्टर ट्रेनर एवं सहायक प्राध्यापक सुश्री रजनी कवरेती ने आनंद की वास्तविक अनुभुति के लिये अपने रिश्तों से जुड़े अनुभव साझा किए। आनंदम एसोसियेट श्री कैलाश सोनेवार ने अल्पविराम को कैसे और कब सुविधा के अनुसार हम दैनिक दिनचर्या में समावेश करके अपनी जिंदगी को आनंदमय बनाकर हम स्वयं को स्वस्थ व सुंदर बनाने में कामयाब बन सकेंगे। उन्होंने राज्य आनंद संस्थान के विभिन्न आयामों जैसे आनंद उत्सव, आनंद सभा, अल्पविराम कार्यक्रम, आनंद क्लब, आनंद शिविर, हैप्पीनेस इंडेक्स आदि से भी सदस्यों को परिचित कराया। आनंदम सहयोगी एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.नितिन टेकरे ने अपने जीवन में मिली मदद से उनका जीवन किस प्रकार सार्थक हुआ, इससे जुड़ा अनुभव शेयर किया। आनंदम सहयोगी एवं योग प्रशिक्षक डॉ.पवन नेमा ने भी भागदौड़ भरी जिंदगी में किस प्रकार तनावमुक्त रहा जाये व स्वयं में किस प्रकार आनंद को ढूंढा जाये, इसे जानने का अल्पविराम को एक कारगार युक्ति बताया। कार्यक्रम में आजीविका मिशन के सहायक प्रबंधक श्री अमर बहादुर सिंह ने अल्पविराम कार्यक्रम के महत्व को जानकर इस कार्यक्रम की सराहना की।

जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट ने सुनी गई 461 आवेदकों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा । आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गनिर्देशन में आज संयुक्त कलेक्टर अजीत तिर्की ने जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 461 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये जिनकी उन्होंने पूरी संवेदनशीलता के साथ अपने समक्ष में बैठाकर सुनवाई की । आज जनसुनवाई में मुख्य रूप से गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, फसल व मकान क्षति का मुआवजा दिलाने, सीमांकन व बंटवारा करने, अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सड़क निर्माण करने, भूमि का कब्जा दिलाने, आर्थिक सहायता व अनुग्रह राशि दिलाने, पेंशन दिलाने, अतिक्रमण हटाने, स्कूल में प्रवेश दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी ।

महिला के माथे पर उभर आया ओम का निशान

छिंदवाड़ा । बोहता में रहने वाली सरिता मालवीय के माथे पर अचानक ऊँ ओम की आकृति प्रकट हो गई है. सरिता ने बताया कि वह बचपन से ही संतोषी माता की भक्त हैं. लगभग 7 से 8 साल की उम्र में सरिता मालवीय को अपने ही गांव के स्कूल के पास में संतोषी माता ने साक्षात दर्शन दिए थे. चैत्र नवरात्र के प्रारंभ होने से पहले सरिता मालवीय के हाथों में पहले ऊँ ओम की आकृति उभरकर आ जाती थी जो कि 1 से सवा महीने रहती थी. लेकिन कल अचानक माथे पर दर्द होने के बाद जब उन्होंने अपने माथे पर पट्टी बांधी और पट्टी खोलकर देखा तो माथे पर ओम की आकृति ऊभर आई थी. लोग इसे माता की शक्ति बता रहे हैं सरिता मालवीय ने इस घटना की जानकारी बकायदा मीडिया को दी. उन्होंने बताया कि सर में दर्द हुआ तो पूजन करने के बाद जब दोपहर 2 बजे देखा तो माथे पर ओम की आकृति बनी हुई थी. 14 वर्ष की उम्र से सन्तोषी माता की पूजन कर रही हूं, इसके पहले भी कलश स्थापना के दौरान ओम की आकृति के दर्शन माता रानी ने करवाए थे। ओम की आकृति हाथों में भी पूजन कार्यक्रम के दौरान देखने को मिली थी, इस समय पूरे छिंदवाड़ा में सरिता मालवीय चर्चा का केंद्र बन गई है।

मैं सौदे की राजनीति कर कुर्सी पर नहीं बैठ सकता: कमलनाथ

छिन्दवाड़ा । आज गांव-गांव में तनाव है, जाति के आधार पर नफरत फैलाई जा रही है। पंजाब में खालिस्तान के नारे लग रहे हैं। तमिलनाडु में हिन्दी पर विवाद हो रहा है और इन मूल समस्याओं से हटकर भाजपा के तथाकथित नेता ना जाने देश को कहां ले जा रहे हैं। ये कलाकारी की राजनीति, गुमराह करने की राजनीति और ध्यान मोडने की राजनीति कर जनता को धोखा दे रहे हैं। आपको देश की संस्कृति और संविधान का रक्षक बनना होगा। हम अपने नैतिक मूल्यों की राह पर चलेंगे या फिर दूसरा रास्ता अपनाना होगा। आपको यह फैसला करना है हम कैसे भविष्य को चुनें जिसमें सब कुछ सुरक्षित हो।

उक्त भावनात्मक उदगार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सौंसर मुख्यालय के गांधी चौक में आयोजित एक ऐतिहासिक जनसभा में व्यक्त करते हुये कहा कि हमारा जिला प्रदेश के अन्य जिलों से अलग है इसकी अलग पहचान है परन्तु हमें दिन ब दिन बढ़ती इन समाज विरोधी ताकतों से सावधान रहना होगा। उन्होंने प्रदेश की सत्ता में षड्यंत्र पूर्व काबिज हुई भाजपा की शिवराज सरकार को घेरते हुये कहा कि प्रदेश में 15 वर्षों के बाद कांग्रेस की सरकार बनी जो प्रदेश भाजपा के राज में किसान आत्महत्या में नम्बर वन, बेरोजगारी में नम्बर वन, महिला अपराध में नम्बर वन बन चुका था। ऐसा प्रदेश हमें सौंपा गया परन्तु हमने फिर भी धीरे-धीरे प्रदेश को पटरी पर लाने का प्रयास किया। किसानों का कर्ज माफ किया, कृषि क्षेत्र में क्रांति आई बिजली बिल, पेंशन, गौशाला सहित अनेकों क्षेत्र में काम शुरू हुआ और सबसे अधिक नौजवानों के लिये योजनायें बनाई परन्तु सत्ता के सौदेबाजों को यह रास नहीं आया और फिर जमकर सौदेबाजी कर कांग्रेस की सरकार गिरा दी।

कमलनाथ ने भाजपा को घेरते हुये आगे कहा कि मैं भी सौदेबाजी की राजनीति कर सकता था परन्तु मैंने हर चुनौतियों का सामना किया। मैंने नहीं चाहता था कि म.प्र. की पहचान सौदेबाजी की सरकार के रूप में हो, सौदेबाजी से हासिल की गई कुर्सी पर मैं नहीं बैठ सकता था। और यह कठिन निर्णय लेने की ताकत भी मुझे मेरे जिले की जनता ने अपना प्यार, विश्वास शक्ति देकर की है। क्यूंकि वो लोग और है जो वोट लेकर लोकसभा और विधानसभा में जाते हैं, परन्तु मैं प्यार और विश्वास लेकर जाता हूं।

पुराने चेहरे और पुराने सौंसर को याद किया

भाजपा सरकार की विकास विरोधी नीतियों को उजागर करते हुये कमलनाथ ने कहा कि हमने हमेशा अपनी नीति और नीयत को साफ रखा है। इस अवसर पर आज की पीढ़ी को याद दिलाते उन्होंने कहा कि आज से 44 साल पहले जब मैं सौंसर आया था मैंने तब ही यह घोषणा की थी कि मैं छिन्दवाड़ा से चुनाव लडूंगा। पुराने और बुजुर्ग चेहरे इस बात के गवाह है। श्री नाथ ने आगे कहा कि वह भी एक दौर था जब ना यहां कोई उद्योग था ना ही बड़ी रेल लाइनें और न ही संतरा उत्पादक किसानों के लिये कोई योजनायें, परन्तु हम धीरे-धीरे आगे बढ़े और आज हमारा सौंसर नगर महानगर बन गया है। यहां पानी की टंकी नहीं थी मैंने अपने पुराने साथी स्व. रेवनाथ चौरे जी को पीएचई मंत्री बनाकर इस समस्या का समाधान कर दिया। श्री नाथ ने कहा कि हमारे छिन्दवाड़ा में भारत का छोटा रूप बसता है यहां अनेक धर्म, जाति, भाषा के लोग है सभी तीज त्योहार मिलकर मनाये जाते हैं। हमें अपनी इस संस्कृति की रक्षा करनी होगी।

किसानों और नौजवानों की चिंता की

अपने उदबोधन में कमलनाथ ने विभिन्न आपदाओं से जूझ रहे किसानों और बेरोजगार भटक रहे नौजवानों की चिंता करते हुये कहा कि इनके कल्याण और भविष्य के लिये भाजपा सरकार के पास कभी कोई योजना नहीं रही बस केवल झूठी घोषणाओं से इन्हें बहलाते रहे हैं परन्तु आज का धरती पुत्र और भारत के भविष्य हमारे युवा अब पूरी तरह से सजग है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही सबसे पहले इनके सपने साकार होंगे।

हमें निर्णायक कदम उठाना होगा: सांसद नकुलनाथ

गांधी चौक पर आयोजित इस विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुये सांसद नकुलनाथ ने कहा कि आज हमारे सौंसर छिन्दवाड़ा व प्रदेश का भविष्य खतरे में है। हमें अब निर्णायक कदम उठाना होगा ताकि फिर से जिले व प्रदेश में विकास की गति को रफ्तार मिल सके।

मुख्यमंत्री जी छ: महीनों बाद हम गाड़कर दिखायेंगे: नकुलनाथ

छिन्दवाड़ा- आदिवासी बाहुल्य अंचल तामिया विकासखण्ड के ग्राम चांवलपानी में जिले के सांसद नकुलनाथ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विगत दिनों दी गई धमकी पर पलटवार करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री जी छ: महीने रूक जाइये उसके बाद हम गाड़कर दिखायेंगे। विदित हो कि हाल ही में अपने छिन्दवाड़ा आगमन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में भरे मंच से कहा था कि कांग्रेस और कमलनाथ का अंत निकट है हम उन्हें जमीन में गाड़ देंगे। जिस पर ग्राम चांवलपानी में आयोजित विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुये जिले के सांसद नकुलनाथ ने कहा कि कांग्रेस की संस्कृति जोडने की है और कांग्रेस की भाषा शालीन है और यही हमारे संस्कार है। मुख्यमंत्री की चुनौती का सहजता से उत्तर देते हुये उन्होंने कहा कि छ: महीनों बाद जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार फिर से आयेगी तब हम पूरे प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महिला अपराध, महंगाई व बढ़े बिजली के बिलों सहित अन्य समस्याओं को गाड़ देंगे।

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि पर्व के आरंभ पर

हार्दिक शुभकामनाएँ

विक्रम संवत् २०८०

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

गुड़ी पड़वा

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

नूतन वर्षारंभ और चैत्र नवरात्रि का यह पावन अवसर
सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और प्रसन्नता
लेकर आये और हमारा मध्यप्रदेश नित नए प्रगति के
शिखरों को छुए, यही मेरी कामना है।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-11249/22
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2023